



वाराणसी



विश्वनाथ धाम में भी प्रसाद बनाने की तैयारी

योजना

मुख्य सचिव की बैठक में हुई चर्चा, कई प्रोजेक्ट्स भी देखे

जनसंदेश न्यूज

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र रविवार की दोपहर श्री काशी विश्वनाथ धाम पहुंचे। उन्होंने दर्शन पूजन करने के पश्चात मंदिर की व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की और अधिकारियों को निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने अधिकारियों संग एक बैठक की, जिसमें उन्होंने मंदिर की व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की।

बैठक में मंडलायुक्त कौशलराज शर्मा ने बताया कि अधिकतर भवनों का टेंडर हो चुका है। जल्द ही धाम के सभी भवनों का उपयोग शुरू हो



काशी विश्वनाथ धाम में दर्शन पूजन करते प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र

जाएगा। मुख्य सचिव ने कहा कि तिरुपति बालाजी मंदिर की तर्ज पर विश्वनाथ धाम का भी एक अपना प्रसाद तैयार कराया जाए। उस प्रसाद

का स्वाद उस प्रसाद की गुणवत्ता और उस प्रसाद को बनाने में उपयोग होने वाली सामग्री भी प्रसाद परंपराओं से जुड़ी हो।

इस पर मंडलायुक्त ने जल्द ही इस

कार्य को पूर्ण करने के लिए कहा। बैठक में जिलाधिकारी एस. राजलिंगम, एडीजी वाराणसी जोन राम कुमार सहित बड़ी संख्या में अधिकारी मौजूद थे।

मणिकर्णिका व हरिश्चन्द्र घाट के प्रोजेक्ट की जानकारी ली

मुख्य सचिव ने 52 शक्तिपीठों में एक शक्तिपीठ विशालाक्षी मंदिर में भी दर्शन पूजन किया। इस दौरान उन्होंने मणिकर्णिका घाट सुधार प्रोजेक्ट की जानकारी ली। कमिश्नर कौशल राज शर्मा ने मणिकर्णिका व हरिश्चन्द्र घाट पर बनने वाले प्रोजेक्ट की जानकारी दी। मंदिर परिसर के कॉन्फ्रेंस हाल में वाराणसी डिजिटल गैलरी से सम्बन्धित संस्था द्वारा प्रोजेक्ट के माध्यम से मुख्य सचिव के समक्ष फ्यूचरिस्टिक आर्टिफिशियल कांसेप्ट के संबंध में जानकारी दी गयी। कमिश्नर ने मंदिर की प्रोग्रेस रिपोर्ट की जानकारी दी।

मुख्य सचिव ने सभी बिल्डिंग के नामकरण वैदिक रूप में करने की बात कही गयी। कमिश्नर द्वारा भविष्य में मंदिर परिसर के ले-आउट के संबंध में जानकारी दी गई।

व्यापक स्तर पर करें टेंट सिटी की मार्केटिंग

मुआयना

उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने गंगापार जाकर किया स्थलीय निरीक्षण

शहर में होने वाले सेमिनार आदि के लिए कॉन्फ्रेंस हॉल को प्रमोट करने के लिए निर्देश

जनसंदेश न्यूज



सूबे के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने गंगापार रेली पर टेंट सिटी का निरीक्षण किया

पहुंचे। उन्होंने गंगा घाटों के पर चल रहे विकास कार्यों के बारे में जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिये।

टेंट सिटी का निरीक्षण करने के दौरान मुख्य सचिव ने वहां बनाए गये डीलक्स रूम, कॉन्फ्रेंस हॉल आदि के बारे में जानकारी ली। साथ ही टेंट सिटी के डायनिंग हॉल और वहां परोसे जाने वाले व्यंजनों के बारे में पूछा। श्री मिश्र ने टेंट सिटी संचालित करने वाली संस्था को प्रोत्साहित करने वाले ऑफर तय करने का निर्देश दिया। जिससे टेंट सिटी प्रोजेक्ट का मुकम्मल प्रचार-प्रसार हो और इस स्थान को हाईलाइट किया जा सके। उन्होंने टेंट सिटी के कॉन्फ्रेंस हॉल का उपयोग शहर में होने वाले विभिन्न कॉन्फ्रेंस, सेमिनार, बैठक आदि के लिए भी विभिन्न संस्था-संगठनों

को आमंत्रित करने पर जोर दिया। ताकि टेंट सिटी की मार्केटिंग बड़े स्तर पर हो सके।

इस पर मुख्य सचिव को बताया गया कि इस दिशा में पहल करते हुए कुछ वेडिंग ऑफर पेश किए हैं। मुआ.ने के दौरान श्री मिश्र को टेंट सिटी के बारे में पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से परियोजना की जानकारी दी गयी। मुख्य सचिव ने वहां संचालित लाइब्रेरी, साड़ी दुकान और इनडोर गैम्स आदि की भी जानकारी ली। वहां से लौटते हुए उन्होंने गंगा आरती में उपस्थिति दर्ज करायी। श्री मिश्र सोमवार को दिन में जनपद के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक करने के बाद अपराह्न मीरजापुर रवाना होंगे। 31 जनवरी की शाम वह रौबर्टसगंज से वाराणसी आकर बाबतपुर हवाईअड्डे से लखनऊ लौट जाएंगे।

राम मंदिर बन रहा, पर रामराज्य नहीं दिखा

जनसंदेश न्यूज

वाराणसी। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि राम मंदिर तो बन रहा है परंतु रामराज्य नहीं दिख रहा। राम मंदिर से हमने रामराज्य की बात की थी। इसका अर्थ है कि रामराज्य के तहत हर एक व्यक्ति को घर मिले। बच्चों को अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य, युवाओं को रोजगार और किसानों को फसल के सही दाम मिले। क्या यह सब मिल रहा है।

राष्ट्रीय बजरंग दल की तरफ से गुरुधाम स्थित श्री राम जानकी मंदिर में आयोजित रक्षा निधि अर्पण कार्यक्रम में हिस्सा लेने विचार को यहां पहुंचे अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के अध्यक्ष प्रवीण तोगड़िया ने राम मंदिर और जनसंख्या नियंत्रण कानून को लेकर बड़ा बयान दिया। कहा, 'राम मंदिर तो बन रहा है, मगर रामराज्य नहीं दिखा। मंदिर तो बन रहा है, बन ही जाएगा। मगर, 50 साल के बाद इस मंदिर पर खतरा हो जाएगा। यदि कानून बनाकर देश की जनसंख्या पर नियंत्रण नहीं किया गया और देश में

बोले तोगड़िया

कहा, जनसंख्या नियंत्रण नहीं हुआ तो 50 साल के बाद इस मंदिर पर होगा खतरा

बाबा दरबार में शीश नवाने के बाद बोले मंदिर से ढूँढीराज गणेश को न हटाया जाए

रामचरित मानस पर विवादित बयान देने वाले सपा नेता स्वामी प्रसाद पर भी साधा निशाना

बढ़ रहे असंतुलन को नहीं रोका गया, तो अयोध्या में बन रहा भव्य राम मंदिर खतरे में होगा। साथ ही यह भी कहा कि इससे राम मंदिर ही नहीं बल्कि देश के करोड़ों हिंदुओं और उनके घर-परिवार कश्मीर घाटी की तरह सुरक्षित नहीं रहेगा।

मंदिर के बाहर मीडिया से बातचीत में रामचरित मानस पर विवादित बयान देने वाले सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्बा पर भी उन्होंने निशाना साधा। कहा कि रामचरित मानस को लेकर करोड़ों हिंदुओं की मान्यता

है। उस पर कमेंट करके मैं किसी ऐसे व्यक्ति को अनावश्यक महत्व नहीं देना चाहता। उन्होंने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन भी किया। उन्होंने कहा कि ज्ञानवापी मंदिर था, वह सिद्ध हो गया। वहां बाबा विश्वनाथ विराजमान हैं। शिवलिंग की पूजा न हो यह पाप है। इसलिए ज्ञानवापी में बैठे हुए बाबा विश्वनाथ की हर रोज पूजा अर्चना शुरू हो।

उन्होंने कहा कि श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर से भगवान ढूँढीराज गणेश को हटाने की बात चल रही है। यह ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि मूर्ति भी देवता है और स्थान भी देवता हैं। जिस स्थान पर ढूँढीराज गणेश जी हैं, वह स्थान मेरे लिए तीर्थ है। इसलिए तीर्थ यात्रियों के लिए व्यवस्था हो। एक भी प्राचीन तीर्थ अपने नियत स्थान से न हटे। पहले जो भी मूर्तियां हटाई गई हैं, उनकी वहीं पर प्राण-प्रतिष्ठा हो। हमें आशा है पीएम मोदी और सीएम योगी हिंदुओं की भावना और श्रद्धा का सम्मान करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि बजरंग दल सम्मानयुक्त हिंदू का लक्ष्य लेकर करोड़ों हिंदुओं की सेवा कर रहा है।

जनसंदेश टाइम्स मेडिकल डायरेक्टरी

सृजन काशी मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल प्रा. लि.

डॉ. अमित कुमार सिंह
जनरल फिजिशियन

डॉ. प्रतिमा सिंह
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ

समस्त प्रकार के कैंसर का इलाज ICU, BIPAP, NICU, CPAP PICU

● मेडिसिन विभाग ● सर्जरी विभाग ● बाल रोग विभाग ● स्त्री रोग विभाग ● बाइपास विभाग ● आर्थोसर्जरी विभाग ● यूरोलॉजी विभाग ● हृदय रोग विभाग

आपातकालीन और एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध

मो 0-9936440494 9622125877

सार्थक सर्जिकल सेन्टर

लैप्रोस्कोपिक, मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल एवं ट्रामा सेन्टर

अत्याधुनिक लिथोटॉमी मशीन द्वारा गुर्दे की पथरी का बिना आपरेशन सफल इलाज

डा. विनोद कुमार
एम.बी.बी.एस., एम.एस., एम.ए.एस्.एस., एम.आर्.सी.एस., जनरल एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन

मो: 9415273558, टेलीफोन: 0542-2586160

www.sarthaksurgicalcentre.co.in e-mail: vinod_sarthak21@rediffmail.com

स्टील डायरेक्टरी

स्वाति धाम लेडीजिटी हट्टोलीजर एवं आर्यामिक चक्र

कामो नमः काली मुक्क

कुंडली विशेषज्ञ, हस्तरेखा, फेस रिडिंग, कुंडली मिलान, रत्न चक्राक्ष घरेलूमि, वास्तु एवं फेंगशुई विशेषज्ञ

1940 since
www.aissshpra.com

AISSHPRA
GEMS AND JEWELS
PRATHA BHI, PRAGATI BHI

ANNIVERSARY OFFER

15% OFF
on Diamond Value

15% OFF
on Gold Making Charges

Free
Silver (Jewellery) on every Gold purchase

DATE:
29TH, 30TH & 31ST JAN'2023

Shiv Kutir, Kasim Bazar, Ballia - 277 001. ☎ +91-9336092050

A HARI PRASAD GOPI KRISHNA SARAF PVT.LTD.VENTURE

GORAKHPUR | DEORIA | PADRAUNA | BASTI | AZAMGARH | BALLIA | LUCKNOW | MUMBAI

अराजकतत्वों ने तोड़ी बाबा साहब की प्रतिमा कैडेटों ने मार्च पास्ट कर दी सलामी

रेवती। थाना क्षेत्र अंतर्गत चौबे छपरा ग्राम सभा स्थित बौद्ध बिहार प्रांगण में स्थापित बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को रात में अराजक तत्वों द्वारा क्षतिग्रस्त कर दिया गया। सुबह किसी ग्रामीण की नजर बाबा साहेब की क्षतिग्रस्त प्रतिमा पर पड़ी तो उसने अन्य लोगों को इसकी सूचना दिया। फिर क्या था? बाबा साहब की प्रतिमा क्षतिग्रस्त होने की सूचना जंगल में लगी आग की तरह फैल गई। इसी बीच किसी ग्रामीण द्वारा पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी बैरिया मोहम्मद

दबंगई
मौके पर सीओ के साथ पहुंची कई थानों की पुलिस नई प्रतिमा लगाने के आश्वासन पर शांत हुए ग्रामीण उस्मान सहित कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंच गई। सीओ बैरिया द्वारा वहां जुटे आक्रोशित ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया गया, लेकिन ग्रामीण मानने को तैयार नहीं हुए। अंत में सीओ



चौबे छपरा स्थित बौद्ध बिहार प्रांगण में जुटी भीड़

बैरिया द्वारा बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की नई प्रतिमा स्थापित करने के आश्वासन के बाद लोग शांत हुए। रेवती थाना क्षेत्र के छपरा ग्राम सभा स्थित बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को बीती रात असामाजिक तत्वों द्वारा क्षतिग्रस्त कर दिया गया। असामाजिक तत्वों ने बाबा साहब के प्रतिमा की बायीं बांह तथा दाहिने हाथ की छड़ी को उखाड़ कर अलग कर दिया था।

शनिवार की सुबह किसी ग्रामीण की नजर प्रतिमा पर पड़ी तो वह अवाक रह गया। ग्रामीणों ने इसकी सूचना अन्य लोगों को दिया। देखते ही देखते मौके पर काफी भीड़ इकट्ठी हो गई। सूचना मिलते ही सीओ बैरिया, प्रभारी निरीक्षक रेवती हरेंद्र सिंह, प्रभारी निरीक्षक बैरिया धर्मवीर सिंह, थानाध्यक्ष हल्दी सुनील सिंह मय फोर्स मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन में जुट गये।

बताया जाता है कि चार वर्ष पहले भी इसी बौद्ध बिहार प्रांगण में स्थापित बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को अराजक तत्वों द्वारा क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। मौजूद लोगों का कहना है कि इस कृत्य को करने वाले लोगों को पुलिस द्वारा तत्काल गिरफ्तार कर जेल भेजना चाहिए। पुलिस प्रशासन द्वारा बाबा साहेब की नई प्रतिमा लगाए जाने की कवायद जारी है।



रसड़ा। बाबा रामदल सूरज देव महाविद्यालय पकवाइनार में गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि सुहेल भारतीय समाज पार्टी के प्रदेश कोषाध्यक्ष रुद्र प्रताप सिंह ने ध्वजारोहण किया। तत्पश्चात एनसीसी कैडेट्स द्वारा सलामी दी गयी व मार्च पास्ट किया गया।

महाविद्यालय के व्यवस्थापक शिवेंद्र बहादुर सिंह ने लोकतंत्र के महत्व पर प्रकाश डालते हुए छात्र-छात्राओं को आगे बढ़ कर देश की सेवा के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य डॉ. आशुतोष कुमार सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रशांत कुमार सागर, आनन्द विक्रम सिंह, डॉ. अखिलेश कुमार, आनन्द यादव, डॉ. अब्दुलरब, भागवत त्रिपाठी, लक्ष्मी सिंह, अशोक सिंह, अंशु राजभर आदि उपस्थित रहे।



नाटक के माध्यम से लोगों को किया जागरूक

रसड़ा। सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गई। स्कूल के निदेशक इंदिरा सिंह, प्रिंसिपल चंद्रनी बनर्जी ने संयुक्त रूप से ध्वजारोहण किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने वृक्षों की कटाई के खिलाफ जागरूकता पैदा करने के लिए संगीतमय नाटक 'काटो नहीं, दुखता है' प्रस्तुत किया। नाटक का संचालन ज्ञानेन्द्र मौर्य ने किया। तत्पश्चात छात्रों, अभिभावकों और स्कूल के कर्मचारियों ने मानव श्रृंखला बनायी, जिसके माध्यम से बढ़ते प्रदूषण के कारण होने वाली मानवीय त्रासदी के बारे में लोगों को जागरूक किया गया। रितेश गुप्ता को स्वर्ण, आदित्य भारद्वाज और रुद्र प्रताप सिंह को संयुक्त रूप से रजत पदक विजेता घोषित किया गया। निहारिका सिंह ने कांस्य पदक जीता।



राहीद मंगल पाण्डेय की जयंती पर शत-शत नमन
दीनार्त हेल्थ केयर क्लीनिक
घोड़हरा ढाला (अरड़ा), बलिया
डा. वीरेन्द्र कुमार यादव
जिला 0९0९म0९स0 (पटना)
रजि नं0-54576 (लखनऊ)
अपूर्वा नर्सिंग होम (नवजात शिशु)
पूर्व सहायक चिकित्सक
गौरव नर्सिंग होम, सिखमपुर, बलिया
मो0-9452364116



74वाँ गणतन्त्र दिवस व शिवरात्रि की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं



जगनरायन यादव
ग्राम प्रधान - कोड़री
विकास खण्ड-बिरनो, गाजीपुर

समस्त छात्र-छात्राओं व अभिभावकों को गणतंत्र दिवस व शिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं
हरिवंशी द्वारिका कालेज ऑफ एजुकेशन
(सम्बद्ध शीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर)
दुर्गुमी सरस्वती, गाजीपुर

महाविद्यालय में उपलब्ध संकाय/कोर्स
डी.एल.एड.- बी.टी.सी. **कला संकाय: बी.ए.**

काउंसिलिंग कोड- 450022 **विषय- हिन्दी, संस्कृत, समाजशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, भूगोल, राजनीतिशास्त्र एवं प्राचीन इतिहास।**
150 सीट

B.Ed. काउंसिलिंग कोड- PS-183 **100 सीट**

सहयोगी संस्थान-
स्व. द्वारिका सिंह बालिका इण्टर कालेज
विषय:- मानविकी वर्ग **दुर्गुमी, सरस्वती-गाजीपुर**
मारकण्डेय महादेव इण्टर कालेज
विषय:- मानविकी वर्ग **दुर्गुमी, सरस्वती-गाजीपुर**

संस्थापक **प्रबन्धक** **सम्पर्क सूत्र**
श्री वेदप्रकाश सिंह (सन्नी) **जगन्नाथ सिंह** **9839418199**
9415343445

हरिशंकर महाविद्यालय
जमुवारी, गाजीपुर

अभिभावकों, छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं समस्त स्टाफ को गणतंत्र दिवस व शिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं



प्रबन्धक
रविन्द्रनाथ त्रिपाठी

एस. एस. पब्लिक स्कूल
नेवादा, लावा, गाजीपुर

(सी.बी.एस.ई. नई दिल्ली द्वारा कक्षा 12 तक विज्ञान एवं वाणिज्य में मान्यता प्राप्त क्षेत्र का उत्कृष्ट विद्यालय)

की ओर से देशवासियों, जनपदवासियों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों को गणतंत्र दिवस व शिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं



शाशीन्द्र शर्मा **राम प्रसाद गुप्ता**
प्रधानाचार्य प्रबन्धक

वर्षगांठ

विधायक ने दीप प्रज्ज्वलित करने के बाद काटा केक

बलिया। नगर के कासिम बाजार स्थित शिव कुटीर में ऐश्वरा जेम्स एंड ज्वेल्स शो-रूम की तीसरी वर्षगांठ पर रविवार को जमकर खरीदारी हुई। तीन दिवसीय भव्य ज्वेलरी प्रदर्शनी का आगाज बांसडीह विधायक केतकी सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित करने के बाद केक काटकर किया। इस दौरान विधायक केतकी सिंह ने कहा कि बलिया में ऐश्वरा शो-रूम होना अपने आपमें बड़ी बात है। उन्होंने ऐश्वरा शो-रूम बलिया के आनर राहुल सराफ को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि महिलाओं के श्रृंगार से संबंधित जो ज्वेलर्स ऐश्वरा में हमने देखा है, वह काबिलेतारीफ है। कहा कि मैं महिला विधायक हूँ। मेरी भी इच्छा है कि मैं भी यहां से अपने पसंद का एक भी आभूषण खरीदूँ। जितने भी गहने मेरे सामने दिखाये, वे काफी सुंदर और आकर्षक हैं। इस अवसर पर राहुल सराफ ने विधायक केतकी सिंह को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

शो-रूम में जिले के लगभग सभी मीडिया कर्मी मौजूद रहे। उनके सामने विधायक केतकी सिंह ने ऐश्वरा शो-रूम की जमकर बड़ाई की। गौरतलब हो कि बलिया में ऐश्वरा जेम्स एंड ज्वेल्स लगातार तीसरी बार ऊंचाईयों पर विराजमान हैं। वर्षगांठ पर ग्राहकों को विशेष छूट भी दिये जा रहे हैं। इसका लाभ उठाने के लिये लोग पहुंच रहे हैं। सबसे ज्यादा महिलाओं की भीड़ देखी गयी।

ऐश्वरा जेम्स एंड ज्वेल्स प्रदर्शनी का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ करती विधायक केतकी सिंह



प्रदर्शनी में आभूषण देखती विधायक केतकी सिंह एवं अन्य

31 तक चलेगा आयोजन

बलिया। ऐश्वरा जेम्स एंड ज्वेल्स शो-रूम के राहुल सराफ ने बताया कि धीरे के मूल्य पर 15 प्रतिशत की छूट, सोने के आभूषणों की मेकिंग चार्ज पर 15 प्रतिशत की छूट एवं सोने के आभूषणों की खरीदारी पर चांदी के आभूषण मुफ्त दिये जा रहे हैं। यह आयोजन 29 से लेकर 31 जनवरी तक चलेगा।

रहे हैं। सबसे ज्यादा महिलाओं की भीड़ देखी गयी।

वरिष्ठ नागरिक सेवा समिति ने शान से फहराया तिरंगा



बलिया। गड़वार रोड स्थित कैम्प कार्यालय वरिष्ठ नागरिक सेवा समिति 26 जनवरी 74वां गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर समिति के मुख्य सचिवक सूबेदार दूबे द्वारा झण्डा रोहण किया गया। एक विचार गोष्ठी की गई जिसमें समिति के मंत्री सूरज समदर्शी द्वारा देश के शहीदों पर प्रकाश डालते हुए देश की एकता, अखण्डता एवं समरसता का संकल्प दोहराया। मौके पर सूरज समदर्शी, सत्यप्रकाश पाण्डेय, कमलेश, रामनाथ पासवान, नगेन्द्र श्रीवास्तव, अनन्त प्रसाद, राजेन्द्र चैधरी, सुशील यादव, मोतीलाल राम, नन्दल लाल राम, राजकुमार यादव, सिद्धनाथ यादव आदि मौजूद रहे।

चोरी की घटनाओं का नहीं हुआ खुलासा, आक्रोश
बलिया। सुखपुरा चट्टी पर स्थित एसबीआई के ग्राहक सेवा केंद्र से लाखों रुपए की चोरी का खुलासा घटना के 22 दिनों बाद भी सुखपुरा पुलिस नहीं कर सकी। यही नहीं, इसके कुछ दिनों पूर्व हुई सोलर लाइट की नौ बैटरी, शहीद स्मारक परिसर की हजारों रुपए के पुस्तकों की चोरी का भी पुलिस अभी तक पता नहीं लगा पाई। एसपी के निर्देश पर घटना के 15 दिनों बाद ग्राहक सेवा केंद्र के चोरी का मुकदमा तो दर्ज हुआ, लेकिन मुकदमा दर्ज होने के सात दिनों बाद भी पुलिस चोरी का पर्दाफाश करने के प्रति गंभीर नहीं है। अब आम जनमानस भी पुलिस की उदासीनता पर सवालिया निशान लगा रहा है। बीते 8 जनवरी को ग्राहक सेवा केंद्र का ताला तोड़कर चोर एक लाख 72 हजार नगद, हार्ड डिस्क और लैपटॉप सहित अन्य कीमती सामान लेकर चले गए थे। इसके पूर्व 24 दिसंबर को सुखपुरा चट्टी पर लगाए गए नौ सोलर लाइट की बैटरी व 28 दिसंबर को शहीद स्मारक परिसर से हजारों की पुस्तकें चोरी चली गई थी।

मा0 स्व0 मुलायम सिंह यादव **मा0 अखिलेश यादव** **मा0 आजम खॉं** **मा0 शिवपाल सिंह यादव**

समस्त क्षेत्रवासियों शिवरात्रि व गणतंत्र दिवस

हार्दिक शुभकामनाएं

ओम प्रकाश सिंह

विधायक

जमानियां विधान सभा



मन्नु सिंह

विधायक प्रतिनिधि

जनसंपादकीय

गांधी आज भी लड़ रहे हैं

नरेन्द्र पुण्डरीक

वह कहता है कि वह राजनीतिक नहीं सांस्कृतिक संगठन है। यह कोन सी संस्कृति है, जो लगातार गांधी की हत्या की कोशिशों में शामिल रही और गांधी जी हत्या करके दे दल दिया। गांधी जी की हत्या किसी संस्कृति ने नहीं की क्योंकि कोई भी संस्कृति हत्यारी नहीं होती है। संस्कृति की रंगीन चुनरी पहन कर साम्प्रदायिक उन्माद आता है। हत्या और आगजनी की घटनाओं को अजमा देकर संस्कृति की चुनरी में अपना चेहरा ढंक कर खड़ा हो जाता है। जब धर्म, संस्कृति का मुखौटा लगा कर समाज में आता है तो लोगों के भीतर झूठ का स्वांग रच कर साम्प्रदायिक मनोदशा की निर्मिति करता है।

धर्म और संस्कृति से निर्मित मिथ्याचेतना ने पहले साम्प्रदायिकता का वातावरण तैयार किया। फिर उस भाव बोध से प्रभावित लोगों की आड़ लेकर देश की आजादी में रोड़े अटकाये और गांधी को इस बीच कई बार मारने का प्रयास किया लेकिन जब दैवत योग से गांधी बचते चले गये तो आजादी के बाद साम्प्रदायिक मनोभावों से प्रभावित लोगों की बौखलाहट और बढ़ गई। उन्हें लग रहा था कि गांधी जीवित रहे तो साम्प्रदायिकता से निर्मित मिथ्या चेतना का यह भाव बोध ज्यादा दिन नहीं टिकेगा और उस चेहरे उजागर हो जायेंगे। देश की आजादी साम्प्रदायिकता निर्मित मिथ्या चेतना की हार थी। आजादी के बाद गांधी जी की हत्या इस मिथ्या चेतना की ताकाथित जीत कहा जाये तो गलत नहीं होगा।

यदि मुझे हिन्दू धर्म मेरे नैतिक
बोध और अध्यात्म की पड़ताल
और विकास के विरुद्ध जान पड़ा
तो मैं इसे छोड़ दूंगा। लेकिन
जहां तक मैंने पाया है कि हिन्दू
धर्म विश्व के सभी धर्मों से
सहिष्णु धर्म है।

बनाता है तो ही बुराई पैदा होती है । हमें विश्व के धार्मिक राष्ट्रों की दशा को देखना चाहिए । जब गांधी जीवित थे तो उनके आचार और विचार दोनों हमारे सामने थे । लेकिन आज गांधी हमारे सामने नहीं हैं तो उनके विचार हमारे सामने पहले से कहीं अधिक ताकत के रूप में आते हैं । वे हमें बार बार हमें आम निरीक्षण के लिए बाध्य करते हैं । महात्मा गांधी हिन्दू थे, विश्व की मानवता के लिए लड़ने, जुझने वाला उससे बड़ा हिन्दू नहीं हुआ । गांधीजी ने हिन्दू धर्म के बारे में कहा है, 'कोई भी व्यक्ति ईश्वर को न मानते हुये भी अपनी को हिन्दू कह सकता है।' क्योंकि उनका खोजना था कि सत्य की खोज का दूसरा नाम ही हिन्दू धर्म है और सत्य की खोज तर्क से ही संभव है । हिन्दू धर्म में तर्क वर्जित नहीं है । वे यह भी कहते थे यदि पुरुष हिन्दू धर्म में नैतिक बोध और अध्यात्म की पड़ताल और विकास के निरिद्ध पथ पड़ओ तो मैं इसे छोड़ दूंगा । लेकिन जहां तक मैंने पाया है कि हिन्दू धर्म विश्व के सभी धर्मों से सहिष्णु धर्म है । इसमें नियमों की जड़ता नहीं है । यह बात ही हिन्दू धर्म को दुनिया के सभी धर्मों से ख़ास बनाती है । गांधी जी के जीवन और विचार के बारे में जितना ही जानने की कोशिश करते हैं ,वह हमें अबूझ से लगते हैं लेकिन एक ईश्वर की एक अबूझ सत्ता की तरह नहीं । इसलिए हम एक दिन गांधी की इच्छा को पा लेते हैं । वह भी हमारी तरह आदमी हैं , वह जो जीवित में करते हैं , वह हम भी कर सकते हैं । इसलिए हम उनके बारे में सोचते हुये अपने विचारों की निष्पत्ति को पा लेते हैं । गांधी आदिभयत का ऐसा वृत्त है , जिसमें पूरी दुनिया है । दुनिया में अनेकों ईश्वर हैं लेकिन दुनिया के पास गांधी एक ही है जो सत्ता है । हर उस धर्म का है जिसमें आदिभयत मुख्य है । गांधी ने पूरी दुनिया को प्रभावित किया है ।

यदि हम गांधी के जीवन को देखें उनके जीवन की व्यवहारिकता को देखें तो पाते हैं कि गांधी ने वही किया है, जो हर आदमी कर सकता है। उसके लिए जीवन के कार्य व्यापार में ईमानदारी चाहिए जो गांधी में थी। जीवन की ईमानदारी किसी भी वैभव और ताकत से प्रभावित नहीं होती है। इसी लिए गांधी के पास दुनिया की समस्याओं की कुंजी नजर आती है। अंग्रेज चाहते तो गांधी को दक्षिणी आफ्रीका या कहीं भी मार सकते थे। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया क्योंकि उन्हें गांधी जी के कार्य व्यवहार में सच का चेहरा दिखाई देता था। जो सच अंग्रेज गांधी के चेहरे में देख रहे थे, वह सच यह देश नहीं देख सका क्योंकि देश की आंखों में धर्म प्रसूत साम्प्रदायिकता में पट्टी बांध रखी थी। जिस अंध साम्प्रदायिकता में गांधी की हत्या की, वह अपने घृणित कृत्य से शर्मसारी नहीं हुई बल्कि आज और अधिक खूनी और घृणास्पद हो उठी है।

गांधी जी ने धर्म को निजी मामला माना था और उनका कहना था कि राजनीति में धर्म के लिए कोई जगह नहीं है। गांधी ने यह भी कहा था कि मेरे राम राज्य करने का मतलब हिन्दू राज्य से नहीं है बल्कि उस राज्य से है, जिसमें राम, रहस्य दोनों एक हैं। मैं किसी और ईश्वर को नहीं मानता हूँ। मेरे लिए सत्य और नेक राह पर चलना ही ईश्वर है। गांधी साम्प्रदायिकता के घोर विरोधी थे, जीवन भर बिना डिग्रे हिन्दू, मुस्लिम साम्प्रदायिकता से लड़ते रहे। साम्प्रदायिक हिन्दू उन्हें मुस्लिम समर्थक और साम्प्रदायिक मुस्लिम उन्हें हिन्दू समर्थक मानती रही। हिन्दू उन्हें ग़रब हिन्दू कहते रहे और मुसलमान उन्हें इस्लाम का शत्रु कहते रहे। हिन्दू और मुस्लिम साम्प्रदायिकों ने सोची समझी चाल के तहत देश में नफ़रत फैलाई जिससे यह देश बंट गया लेकिन हिन्दू साम्प्रदायिकों को इससे संतोष नहीं हुआ। उन्होंने 30 जनवरी 1948 को गांधी जी की हत्या कर आत्मतोष पा लिया। लेकिन वह गांधी जी थे जिन्होंने मर कर भी करोड़ों लोगों को साम्प्रदायिकता की आग में होम होने से बचा लिया। गांधी का भारत जो असली भारत है, वह आज उन्हीं साम्प्रदायिक तत्वों से जूझ रहा है। गांधी आज भी अपने अर्धनग्न शरीर के साथ हाथों में सत्य और अहिंसा का लालीये अपने सपनों के भारत के लिए लड़ रहे हैं। गांधी का शरीर तो हाड़ मांस का था लेकिन उनके निचार बज़ के हैं अजेय हैं अपराजेय हैं। जो आज भी उस भारत के लिए लड़ रहे हैं, जो आदमीयत का भारत है, प्रेम, अहिंसा और भाई चारा का भारत है। जब मैं यह सब कह रहा हूँ तो मुझे बंबीर का यह कथन याद आ रहा है, जो उसने महाभारत के युद्ध के अन्त में कहा था, मुझे महाभारत के युद्ध में एक ही आदमी लड़ता दिखाई दे रहा था। यदि महाभारत में कृष्ण था तो यहां गांधी है सिर्फ गांधी है गांधी।

(लेखक कवि एवं स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं,
संपर्क 9450169568)

परमाणु हथियार के प्रथम इस्तेमाल के द्वाइ साल बाद गांधी जी की हत्या हुई थी। गांधी जी ने परमाणु हथियारों की बजाय मनुष्य को, मनुष्यता को बचाए रखने के लिए अहिंसा को अपनाया की बात की थी। उन्होंने कहा था कि हजारों मैंने पहली बार सुना था कि अणु बम ने हिरोशिमा का सफाया कर दिया है, तो मैं एकदम स्थिर बना रहा था। इसके विपरीत मैंने खुद से कहा था, अगर आज दुनिया अहिंसा को नहीं अपनाती है तो यह स्थिति मनुष्यता के लिए आत्माघाती साबित होगी। अहिंसा वह एकमात्र चीज है जिसको अणु बम भी नष्ट नहीं कर सकता।

गांधी ने अपनी आत्मकथा ह्यसल के प्रयोग में लूँ लिखा है कि 'मुझे दुनिया को कोई नई चीज नहीं सिखानी है, सत्य और अहिंसा आदि कावल है चलें आ रहे हैं। विधिन् धर्म ग्रंथों में निहित नैतिक शिक्षा व नैतिक मूल्यों को जिनमें सत्य और अहिंसा जैसे मूल्यों को प्राथमिकता से रखा गया है और उन्हें विधिन् धर्मात्मिकमियों तक पहुँचाने का प्रयास भी किया जाता था।' हम् सभी को द्वाया वयक्तिगत स्तर पर इन आदर्शों का पालन किया भी जाता रहा हो लेकिन गांधी ने सत्य और अहिंसा के इन प्रयोगों को समूह में करने और इन्हें व्यवहारिक स्तर पर लाने की एक असंभव कोशिश को संभव बनाया है। गांधी प्रयोगधर्मों रहे हैं और उनसे प्रयोगों को जानने समझने की समझ को विकसित करने के लिए तथा इन्हें जमीनी स्तर पर नर सिर से देखने के लिए भी हमें नए प्रयोगों की आवश्यकता है। जिसमें हमें कई बाउंड्रीज को त्रास करना होगा जो गांधी के विचारों को यूरपीयान बलगत है तथा परंपरागत ढँच से विचारों और उनके विचारों को पढ़ने लिखने तक सीमित करते हैं। वर्तमान समय में गांधी विचारों की आवश्यकता से कोई भी इंकार नहीं कर सकता है जो शांतिप्रिय है और अमन चाहता है। 12 अक्टूबर और 30 जनवरी को सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर एक वर्ग द्वारा क्या प्रेषित किया जाता है हम् सभी उससे वाकिफ है। ये एक हिडन एजेंडे के तहत उन लोगों के द्वारा किया जाता रहा है जिनका संबंध न गांधी से और न ही गांधी विचारों से कभी रहा है। इसलिए वह और भी आवश्यक हो जाता है कि हम् यूथ जनरेशन को और युवा कल्चर को इनमें समझने का प्रयास करें तथा गांधी विचारों की सही दृष्टि को विकसित करने का प्रयास करें, जिससे समाज में व्याप्त हिंसा, भेद, तनाव, संघर्ष को खत्म किया जा सके। गांधी ने युवाओं के मनोभावों को जानने समझने और सही दिशा में उनकी ऊर्जा के इस्तेमाल के लिए भी प्रयोग किया है। गांधी ने अपने लेखन के बारे में भी कई बात कहा है कि मेरी आँतम में कही हुई बात को सत्य माना जाए। क्योंकि गांधी लगातार मनन चिंतन कर

एक समय यह जो बहस चल रही है वह स्वस्थ बहस नहीं है। बल्कि हमला है। अखिल हमला और दाखिल-खातिर करने की चककदी शैली की कमाई। ताजमहल एक बादशहा के नाम-गुंववाया था और निर्माण करने वाले मजदूरों के हाथ काटा लिये जाये थे-ऐसा कहा जाता है। तो क्या हम ताजमहल का विध्वन करके दें। क्या अपने किसी की किसी कला के साथ हमारा रिश्ता सलूक होना चाहिए? अपनी परम्परा विरासत-हम किसी रचनाकार फेकलटी के साथ हमारा कैसा रिश्ता हो, हम किसी रचना के साथ कैसा रख-ओ-रखैया इस्तेमाल करें, यह तो हमें सीखना चाहिए। हमारे वरिष्ठ साथी सम्पूर्ण हाशमि कहा करते थे कि साथी! ब्रकूत होगी तो जनावदी साहित्यका-कृत्यवादी साहित्यकारों पर जन्म नहीं नाते दें। तो, अपनी कला-पूर्वियों, रचनाओं पर इस तरह जमेजमेल होने की जरूरत नहीं' है। हमसमचितता मानस' एक महाकाव्य है और महाकाव्य का अपना एक निश्चित ढाँचा होता है। किसी भी रचना में हर चरित्र को संयंवाद-विचार अनिवार्यतः एक लेखक का भी विचार हो यह जरूरी नहीं। वायनीर होतों है। खल-पात्र होते हैं, उनके अपने विचार सजक पर थोते नहीं जा सकते। महाकाव्य में वैसे भी सम्मिश्रित हस्तक्षेप होते हैं। इन सारी चीजों में हमें ध्यान में रखकर ही मूल्य-नियंत्रण करना होगा। साहित्य के कोई भी चरित्र आता है तो अपने परिवेश और समय की पूरी जटिलता के साथ आता है। दुनिया के सारे महान कवियों की रचनाओं में और रचनाकारों के जीवन में झंझटें तो ये अन्तर्विरोध आपको मिलेंगे। अहम यह है कि साहित्य को कैसे पढ़ें?

परिचित भारत और तुलसीदास पर आज जो बहस हो रही है, वे ईश्वर की है। दशमलु, तुलसीदास और वाणप्रभु धर्म को लेकर रायें रायें, शयाल, शिवदत्त सिंह चौहान, मोहनराजेश्वर और रामलालशर्मा के बीच स-1950 और उसके बाद जो बहसें हुईं जिसमें बाद में राहुल सांकृत्यायन, प्रकाशचन्द्र गुप्त एवं भदन्त आनन्द कोशल्यायन भी इसके प्रतिभागी बने। 'माक्सवाद' और 'प्रतिनिधि संहिता' में लिखा है कि इस प्रश्न का सम्बन्ध उस वाद-विवाद से है जो कम-समय पर विशेष रूप से 1950 से 1953 में माक्सवादी लेखकों के बीच उठता रहा है। यह विवाद 1950 में शुरू हुआ और 1953 में वह समाप्त होना ही गया। माक्सवादी तर्कों के चलने का एक कारण यह था कि बहुविध, भारतीय जनजीवन और संहिता के बारे में इन लेखकों में तीव्र मतभेद था। दूसरा कारण यह था कि विवाद में व्यक्ति और तर्क के बदले सिद्धान्त प्रचार और प्रमाणवाद से अधिक काम लिया गया। इसलिए वाद-विवाद से जिना लाभ होना चाहिए था, वह नहीं हुआ। आज भी यही

सुमीत आ

रस का सुजन करने वाले नाद के छंद-निबद्ध संसार को सुमीत कहते हैं और जिसने इसका रसपान किया वह इसी का होकर रह गया, चाहे वह साधक के रूप में हो या श्रोता के रूप में। सुमीत अनाद ण्डयेय (08 जुन 1983 पटना) दरभंगा घराने के एक ऐसे ही साधक हैं जिन्होंने अपनी सतत साधना और प्रस्तुति से अल्प समय में ही कलाप्रेमियों के बीच अपनी खास जगह बना ली है। इनके ध्रुपद गायन ने अपनी खास शैली से सुमीत और अपने घराने का नाम बढ़ाया है। इनकी सीमा यात्रा को देखें तो सुमीत का बचपन सुना-सुरता में गोते लगाते हुए बीता है। कानों में जब से कुछ सुना-सुरता किया होगा, ध्रुपद की आलापचारी और मृदंग की ताल सुना होगा। नाना और सदा दोनों पेशों में दालान स्वरां से ही गुंजायमान रहती थी। इनकी सीमा शिक्षा पंडित अभय नारायण मलिक के सान्निध्य में हुंही है पर बचपन से ही स्वरां का संस्कार इनको प्रखरता से अंतर्गीतकार वॉरेंड मोहन ण्डयेय और पंडित सियाराम तिवारी (नामा) से मिला। सुमीत का यम बतते हुए सुमीत कहते हैं कि सांगीतिक स्वर या नाद की उपासना ईश्वर प्राप्ति का मार्ग है। इससे आप ध्यानस्थ हो सकते हैं और जिस भी शक्ति में आपका विश्वास हो उस तक पहुँचने और उससे साक्षात्कार का यह एक माध्यम भी बन सकता है। सुमीत साधना या प्रस्तुति के दौरान पा रहे सुकून और रस को परमानंद कहते हैं। उपासना माना है कि साधना करते समय आप अपने भीतर जाते हैं, स्वयं से मिलते हैं। यह अवसर आम आदमी

મંથન

सभ्यताओं का अस्तित्व गांधी विचार की समझ में है

स्मरण

डॉ. चित्रा माली

एक विचारों का प्रतिपादन कर रहे थे या कहें वे अपने प्रयोगों से लगातार सीख रहे थे इसलिए यह आवश्यक हो जाता है कि पूर्व की धारणाओं के आधार पर गांधी जी, गांधी के विचार को नहीं समझा जा सकता है। गांधी के विचार जो आज एक तबके तक सीमित रह गए हैं, उन्हें रूढ़िवादी आदर्शों, भाषा की जटिलता, पहनावे की धारणाओं से मुक्त कर, सरल सहज बनाने के लिए हमें यूथ की शब्दवली भी प्रयोग करना होगा जिससे युवाओं में गांधी और गांधी विचारों की सही समझ विकसित हो। यह इसलिए भी आवश्यक है कि आज तक स्वाधीनता संग्राम के महायुत्तरों के कार्यों के उनके विचारों की पुनर्व्याख्या की जा रही है। 30 जनवरी 1948 की प्रार्थना सभा में एक विचार को मानने की साक्ष्य रची गई जो एक व्यक्ति की हत्या के रूप में सफल भी हो जाती है लेकिन गांधी के विचार है जो आज तक हमारे ईद फ़ैद मौजूद है और उनके द्वारा दिया गया अहिंसक प्रतिरोध का मार्ग, सत्याग्रह का मार्ग जो अंतिम जन के लिए अपनी जायज मांगों के संघर्ष के लिए आज भी कारगर है। 1 जनवरी 1948 से लेकर 30 जनवरी 1948 तक जब तक गांधी जीवित थे वे कौमी एकता और हिंदू मुस्लिमों को भाईचारे का पाठ पढ़ा रहे थे, उनके जीवन का एक मात्र उद्देश्य विभाजन जटित हिंसा को समाप्त करना था और सांप्रदायिक सौहार्द को बढ़ाना था। गांधी की हत्या के बाद भारत के सभी लोगों ने बढ़ावा दिया दिन भर में किए गए कार्यों का मूल्यंकन किया था और जो गारंटी उस दिन उससे हुई थी उसे वे गांधी की हत्या का कारण मान लेते थे जिससे कई लोग आत्मगलानि से भर उठे थे वे लोगों की गांधी के प्रति श्रद्धा और आस्था की पराकाष्ठा थी। गांधी जी की हत्या ने कई लोगों के मनोबल को गिरा दिया था, अंतिम व्यक्ति के लिए एक एक उम्मीद की तरह थे जिसे गांधी पर यकीन था कि उनसे एक की लड़ाई लड़ने वाला कोई व्यक्ति है। यही हाल इस खबर का पाकिस्तान में भी था। गांधी के बाद ये यकीन नेहरू पर भी लगेगा कि था जिसे उन्होंने बरकरार भी रखा। राम मोहन लोहिया ने अपने एक साक्षात्कार के दौरान कहा था कि 'ह्रस्व देश को एक रखने वाली दो ताकतें हैं एक गांधी और दूसरी फ़िल्म।' गांधी हत्या पर भी फ़िल्म बनाई गई है जो

के मैदान में राम चरित मानस

हा रहा है- तर्क कम है- प्रचार और बितण्डावार अधिक। न उस समय वाद-विवाद का फायदा हुआ और न अब ही कुछ फायदा नजर आता है।

तुलसी और उनके द्वारा शुरू की गयी परम्परा का और लौटें तो हम पाते हैं कि तुलसी के द्वारा शुरू करायी गई रामलीलाओं का पूरे उत्तर भारत में विस्तार हुआ और इन राम लीलाओं ने सम्यग्य के अनुरूप साम्राज्यवाद विरोधी औपनिवेशिक विरोधी चेतना का लोक में विस्तार किया किन्तु, इन रामलीलाओं ने साम्प्रदायिक रूप धारण नहीं किया बल्कि, समकाल गाँवों में आज भी रामलीला में हिन्दू-मुस्लिम एकता और सौहार्द के दर्शन होते हैं। प्रकाशचन्द्र गुप्त ने तो लिखा था कि-‘तुलसी और सूर के सामाजिक विचार-दर्शन को आज नहीं अपना सकते, उसे इतिहास ने ‘मैथिल’ और ‘डोडों’ के समान अजायबघर की वस्तु बना दिया है। उनको, जनता के प्रति उनका प्रेम, उससे निकटतम उनका सम्बन्ध, उनके काव्य और सुलभ रूप आदि अनेक तत्व हमारे लिए आज भी अमूल्य है।’

तुलसीदास को या रामचरित मानस को खारिज करने या मनुस्मृति को तरह उसके दर्शन से काम नहीं चलेगा। अभी कुछ ही वर्षों पूर्व प्रेमचन्द के उन्मुख ‘गणधूमि’ के दहन का भी आह्वान किया गया था। दहन से नहीं बलिष्ठ अपने काम की चीज के ग्रहण से ही हमारा विकास भी होगा और परम्परा का भी। ग्रहण और त्याग का विवेक ही हमें आगे ले जाएगा। आप व्यापक जन-समुदाय की ओर तो देखिए, जन-समुदाय ने टेन्टक को किस तरह लिया? बाबा रामचन्द के किस तरह लिया? गिरिमिटियाँ मजदूर जब मारिशस, सूरीनाम आदि जगहों पर गये तो अपने साथ उसी ‘रामचरित मानस’ को लेकर गये। इन प्रवासियों मजदूरों ने उसी रामचरित मानस के टेन्टक को किस तरह से लिया? राममोहन लाँडिया जब रामायण मेले की प्रस्तावना करते हैं तो वे चित्रकूट में रामायण मेले के लिए तुलसी के रामचरित मानस का कौन-सा टेन्टक स्वीकार करते हैं। लाँडिया कहते हैं- ‘तुलसी थी रामचरित में आनन्द के साथ-साथ धर्म भी’ जुड़ा है। धर्म- शाश्वत मानी में और वक्ती भी। तुलसी की कविता में निकली है अगणित रोज की उक्तियों और कवयों, त

नन्द की गायकी : ध्रुपद का नवोन्मेष

रपट

અમલ મિશ્ર

को कभी नहीं मिलता। वह रसनाकारों का सोभाय्य होता है। यदि साधक और श्रोता रूप के एक तल पर पहुँच जाएँ तो यह तल पर 'इश्वर की प्रीति' का एक सहीत के कार्यक्रमों के अलावा समीत फिल्मों को प्रचार का है। मण्टपूय भाष्य मानते हैं और चाहते हैं कि संगीतप्रोग्राम से दूर होते संगीतशैलियों को किसी न किसी प्रकार से संलग्न जगह दी जाये और लोग इससे जुड़ें। इसी प्रकार से इन इंसानों में उठाने गया भी था। इससे संगीत अंदाज का था। उसके अंत में कुछ नौम-तौम के अंदाज से ध्रुपद आलाप लेने की कोशिश की गई है। हालाँकि विभिन्न रागों को पुरानी फिल्मों में खूब गया गया है। और लोकप्रिय भी है। कहते हैं ध्रुपद की प्रचुरा ब्रज के संत स्वामी होकर प्रसूरा, गोविंद स्वामी, अष्टसखा और बाद में तानसेन और बहेबूवावा द्वारा शुरू की गई थी। ग्यालियर राजा की मानसिंह का तोतोर के देवर में वह परवान चढ़ा। ध्रुपद गायकी के आलापन में सुरों को बरतना, धीमी लय से निबद्ध आलाप में धीरे-धीरे, सुरों की निबद्धता धीमी लय लय, झाला (जो द्रुत अलाप का

हत्या की पूर्व तैयारियाँ और पड़घर को उजागर करती है।

जनवरी 2018 में प्रदर्शित फिल्म 'गांधी मर्डर' जिसका निर्देशन पंकज सहगल और करीम ट्रेडिया के द्वारा किया गया है जो शोधपूर्ण तथ्यों और जेम्स डब्ल्यू.डुसलस की किताब 'गांधी एंड द अनस्योकेबल : हिज फाइनल एक्सपेरिमेंट विथ द्युथ' के तथ्यों पर आधारित है। इस फिल्म में भारत में गांधी की हत्या सफल और असफल दोनों प्रयासों को प्रदर्शित किया गया है। इसके अतिरिक्त पश्चिम में बनी हानाइन अवर्स टू रामाह्ल जिसकी कहानी गांधी की हत्या के नौ घंटे पूर्व की है। फिल्में संरक्षण का संशक्त माध्यम है जो गांधी हत्या,हत्या के पड़घरों उसके इर्दगिर्द की परिस्थितियों का सजीव चित्रण प्रस्तुत करती हैं। स्वतंत्र भारत के सार्वजनिक जीवन और फिल्मों में गांधी की उपस्थिति किसी न किसी रूप में लगातार रही है। गांधी एक विचार है जिसे खसम करने की भी लगातार कोशिश की जाती रही है जिसमें फिल्मों को भी एक खास एजेंडे के तहत माध्यम बनाया जाता रहा है,इस क्रम में ब्लाकई आई किल्ड गांधीहू को रखा जा सकता है जिस पर रोक लगाने के लिए गत वर्ष हजारों ट्यूटो किया गए थे। गांधी के विचारों को समग्रता में समझे बिना गए तथ्यों को अपने अनुसार गढ़कर युथ के सामने रखा जाना खतरनाक साबित हो सकता है और कहीं हद तक हो भी रहा है। गांधी जी ने जब से सत्याग्रह के प्रयोग करना शुरू किए थे वे बहुत ही नजदीकी से अपनी मृत्यु को अपने देख रहे थे। गांधी पर सबसे पहला हमला जनवरी 1897 नेटाल में डबन के बंदरगाह पर गांधी से नाराज दक्षिण अफ्रीका की भीड़ ने उनकी हत्या करने का प्रयास किया था दक्षिण अफ्रीका में गांधी हत्या का दूसरा प्रयास एक सत्याग्रही साथी मीर आलम के द्वारा किया गया था जो गांधी से सहमत नहीं थे। बाद में उन्हें अपनी गलती का अहसास हुआ उन्होंने कहा कि 'गांधी भाई पर हमला करके मैंने गलत किया था' जिस पर गांधी ने उनका हाथ थायकर कहा कि उनके मन में अपने दोस्त के प्रति कोई शिक्वा नहीं है। आज इसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता है कि जानलेवा घटना के बाद भी गांधी और मीर आलम एक साथ एक मंच को साझा कर रहे हैं। 1908 की दक्षिण अफ्रीका की दूसरी घटना जिसमें गांधी का सामना एक और हमलावर से हुआ था जिसका जिक्र मिली पोलक ने किया था। जोहांसबर्ग में भारतीय समुदाय की एक बड़ी संगठनात्मक बैठक के अंत में गांधी और मिली पोलक उस भीड़-भरे सभागार से बाहर निकले। 'है आदमी पलभर हिचकिचाया,इसके बाद पड़ुले और मिस्टर गांधी के साथ चल पड़ा, जिस दौरान मैं गांधी की दूसरी बगल में चल रही थी। हमने सड़क पार

की, गांधी और वह आदमी बहुत ही धीमी आवाज में बात कर रहे थे। सड़क के सिरे पर पहुँचकर उस आदमी में मिस्टर गांधी को कोई चीज सौंपी और वह चला गया। पोलक ने जिज्ञासापूर्वक गांधी से पूछा वह आदमी क्या चाहता था ? गांधी ने जवाब दिया, वो मेरी हत्या करना चाहता था। आत्मी की हत्या ये तो बहुत ही खतरनाक बात है उसे गिरफ्तार किया जाना चाहिए। गांधी ने कहा वह गलतफहमी का शिकार था और अपने देखा, जब मैंने उससे बात की, तो उसने वह चाकू मुझे सौंप दिया जिसका इस्तेमाल वह मुझ पर करने वाला था। उसका सोचना था कि वह मुझे मारना चाहता था लेकिन मैंने उस पर ऐसा करने का साहस नहीं था। और अपने वैसे उसे गिरफ्तार कर दिया होता तो मैंने अपना एक दुश्मन तैयार कर लिया होता। अब वह पहले ही मेरा दोस्त बन चुका है। सत्याग्रह के आरंभिक चरण के ये तीन वाक्यें गांधी के साहस और कहीं न कहीं अपने प्रयोगों के प्रति निष्ठा को ही प्रदर्शित करते हैं जो मोहन से महात्मा बनने तक का एक लंबा सफर है। दक्षिण अफ्रीका में ही नहीं भारत में भी गांधी की हत्या के प्रयास हुए हैं और एक प्रयास सफल भी हुआ है। दक्षिण अफ्रीका से भारत लौटने पर गांधी सत्याग्रह में अधिक परिष्कृत हो चुके थे लेकिन सत्याग्रह के आरंभिक चरण में ही व्यक्ति को या कहें शत्रु को दिल से माफ कर देना और व्यक्ति के हृदय को परिवर्तित कर देना बहुत बड़ी बात है। अक्सर वजाहत के नाटक 'गोडसे/गांधी.कॉम' जिस पर राजकुमार सौंपी ने फिल्म का निर्माण किया है जिसका नाम 'गांधी गोडसे युद्ध' है जो 26 जनवरी 2023 को ही प्रदर्शित हुई है। फिल्म में गांधी के विचारों और प्रयासों को खासकर अहिंसा की समझ को बहुत ही सूक्ष्मता से प्रस्तुत किया गया है जिसमें गोडसे और गांधी के संवाद हैं, असहमतियां हैं उनके अपने तर्क हैं। ये काल्पनिक संवाद सुमनिका ही हो सकते हैं अगर गांधी जीवित रह जाते। गांधी ने अपनी हर अकड़ें और बुराई जो हर व्यक्ति में उठ जाया होती है लोगों के सामने रखी, किसी तरह से उन्हें छुपाने का प्रयास नहीं किया, उन प्रयोगों को भी जिसमें वे सफल व असफल दोनों रहे। आज गांधी के विचारों और मूल्यों की फिर से शिनाख्त करने की कोशिश की जानी चाहिए जो हमसे दूर या दूर, या जिस अर्थ में हमें इसे समझना चाहिए था हम नहीं समझ पाए हैं, उन्हें नए रिस्से से समझकर एक शान्तिपूर्ण समाज के निर्माण के लिए प्रयास करना होगा, जिसमें सांप्रदायिक हिंसा, तनाव, जाति, धर्म, लिंग आधारित हिंसा और भेदभाव न हो जो परस्पर असहिंसा के नियम से संचालित हो।

(लेखिका गांधी अध्येता एवं सामाजिक चिंतक हैं)

जो आदमी को टिकाती हैं और सीधे रखती हैं।' इसी में वह आगे करते हैं— मूर्ती को चुनने के लिए कुछ गिगलना जरूरी नहीं है, न ही कुछ साफ़ कलकें वक्त मोती-मूर्ती को फेंकना। रामायण मेले का धर्म सम्बन्धी तालय्य मोती-कुड़ा विवेक भी होना चाहिए। किसी रचना की लोकप्रियता है कि उसने पवित्र और पूज्य बना दिया जाना चाहिये या कहें कि लोक उसे पूज्य बना दे। यहाँ यह भी देखा जाना चाहिए कि वह कोई हजारों वर्ष पुराना धर्म ग्रन्थ नहीं है बल्कि पाँच सौ साल पहले का है। इस पर विचार होना चाहिये कि शास्त्रीय भाषा के विरुद्ध लोकभाषा में रचित इस रचना में ऐसी कौन सी शक्ति थी कि इसने हिन्दुस्तान में प्रचलित तीन सौ रामायणों को पीछे धकेल कर अपने लिए सबसे ऊपर जगह बनाई। रामचरित मानस को लेकर जो कथा है कि इसे तमाम ग्रन्थों के नीचे काशी के पंडितों ने रख दिया लेकिन वह सगुण राम ऊपर आ गई थी, इसे मैं एक रूपक की तरह ग्रहण करता हूँ। समाल यह है कि आज जितने अंतर्विरोध गिगने जा रहे हैं, उतने अंतर्विरोधों भरी एक पुस्तक इस उत्तर आधुनिक समय में क्यों बड़ी चुनौती कैसे भी हुई है?

रामचरित मानस से उत्तर-भारतीय हिन्दी समाज का मानस निर्मित होता है। आज भी आ जगन-मानस की निर्मित इस आधार रामचरित मानस ही है। अपने समय के अंतर्विरोध का अंतर्विरोध भी है— लेकिन हमें ध्यान रखना चाहिए कि ये उस युग के अंतर्विरोध हैं। ये अंतर्विरोध पुरे भक्ति कालीन साहित्य में मौजूद हैं। मार्क्स और लेनिन बाल्जॉर्क और टॉलस्टाय को महत्व देते थे जबकि रूसी क्रांति के समय गेर्की उसी लेखक मौजूद थे। उधारे मुन्तौबी यह कहा है— 'किसी भी साहित्य का वार्तकिक विश्लेषण हम तब तक नहीं कर सकते, जब तक कि हम उन गतिमान सामाजिक शक्तियों में नहीं समझते जिनहोंने मनोवैज्ञानिक सांस्कृतिक धातुल पर आत्म प्रकटीकरण किया है।

कबीर से क्रांतिकारिता के सूत्र उठाये गये तो तुलसी से भी क्रांतिकारिता के सूत्र उठाये जा सकते हैं। 1920 में बाबा रामचन्द्र ने तुलसी से ही अद्वय के किमान अन्दोलन को विस्तार दिया था। तुलसी की चौपाइयों से संघर्षशील जनता को अन्दोलित कर दिया था। बड़ी कृति में पाद की भी तमाम संभावना रहती है। राजेन्द्र यादव कहते हैं कि जिस रचना को आप अनेक अनुशासकों में व्याख्यात कर सके, वह रचना सामाजिकी होती है। वे ही करते हैं कि तुलसीदास को आप जगन्नाथशास्त्री की तरह पढ़ सकते हैं, ऐतिहासिक दस्तावेज जैसा साहित्यिक कृति की तरह से, भक्ति के आदर्श की तरह।

तीन जिसको तीन चार तरह से समझा जा सकता है, वो अर्थात् रामचरित मानस है। लेकिन समझा कैसे जा सकता है? सभी लोग एक नतीजे पर नहीं पहुँचेंगे।

रामकथा के टेक्स्ट से जिरह की भी परम्परा रही है। इसी प्रकार लोक की राम से भी जिरह रही है। इस लिए राम कथा के अपने-अपने टेक्स्ट है और इसीलिए अपने-अपने राम' एक उदाहरण छत्तीसगढ़ के रामनामी समप्रदाय का है। 1890 के दसक में दलित परशुराम द्वारा स्थापित इस समुदाय में प्रथा दलित जाति के ही लोग हैं। इसके अनुयायी अपने पूरे शरीर पर राम शब्द का मोनो गुलबोते हैं, राम शब्द छाया स्थिति पहनते हैं और सिर पर मेरुपंख की बंदी टोपी पहनते हैं। परशुराम ने अपनी जाति के कारण मंदीर-प्रवेश से वंचित होने पर पूरे शरीर को रामनाममय कर लिया। हवाई युनिवर्सिटी के प्रोफेसर रामदास लैम्ब के अनुसार यह समप्रदाय 15 वीं शती के भक्ति आन्दोलन की निरंतरता है। 1910 में रामनामियों ने राम के नाम का उपयोग करने के अधिकार पर उच्च जाति के हिन्दुओं के खिलाफ एक अद्वारती मुकदमा जीता। इनकी इसी एक रामायण है। इन्होंने तुलसी के वर्ण-व्यवस्था वाले अंशों को हटा दिया कि वह ऐसा कह ही नहीं सकते। उन्होंने अपने रामचरित मानस एडिटेड फार्म में प्रस्तुत की, से 1981 में बहुत नया नाम। कांशीराम रामनामी भेले में गये थे और बेहद प्रभावित भी हुए थे। यही नहीं 1984 में इसी प्रभाव में अपने राजनैतिक जीवन का पहला चुनाव जांजीर से लड़ने का निर्णय लिया था। वे छत्तीसगढ़ को सामाजिक-सांस्कृतिक परिवर्तन का केन्द्र बनाते चले थे।

हम देख सकते हैं कि अपने राम और अपने रामचरित मानस को समानांतर खड़ा किया जा सकता है। भक्ति आंदोलन का कोई भी कवि यथास्थितिवादी नहीं है। कबीर को लोग क्रांतिकारी मानते हैं, पर कबीर धर्म की सत्ता का विरोध करते हैं, समाज विभाजन का विरोध करते हैं, ब्राह्मण कस्त का विरोध करते हैं। लेकिन कबीर अपने समय में राजा और सामंतों के बारे में कुछ नहीं कहते। कबीर राजसत्ता के बारे में मौन रहते हैं और भक्तिपरायण का समर्थन करते हैं। आप शंभूक जिरह करिये मगर खारिज मत करिये। दहन मत करिये। संग्रह- त्याग का विवेक ज्ञात करिये। तुलसी की मायिफ मत, अपने अपने काम का लीजिए और प्रीतिबंध का हथियार बनाइए। तुलसी, राम और रामकथा को ओरों के हवाले मत करिये। इसे न मरु, बनाइए न मु? द्वा बनने दीजिए।

(लेखक पंच एच पंचतं, संपर्क 94152 89529)



की : ध्रुपद क

विस्तार है), गमक और मीड के माध्यम से उसको सुसज्जित करना, फिर तानपुरे या किसी बो-फ़िट्टा इंस्ट्रूमेंट (सारंगी आदि) से ध्रुपदांग बजाना महत्त्वपूर्ण है। केवल सारंगी और तानपुरे के साथ गाना और फिर आलाप के बाद जब पद आए तो पखावज की संगीत उपयुक्त होती है। ध्रुपद गायाकी की विशिष्टता बताते हुए सुमीत आनन्द पाण्डेय कहते हैं कि इसकी कर्णप्रियता, मधुरता, शास्त्रीयता और रंजकता अन्य संगीत शैलियों से अलग है, जो हम सबको बचाकर रखनी है। इसके लिए मैं अपनी पुरानी पीढ़ियों के महान गायकों एवं मनीषियों का ऋणी हूँ जिनहीं हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत को यहाँ तक पहुँचाया। अपनी विशेष आवाज और लयकारी के लिए विख्यात भरे नाना स्वरवीय पॉडट सियाराम तिवारी, यरुजो पॉडट अभय नारायण



मलिक की आलापचारी, उनके गुरुजी पंडित राम चतुर मलिक की बंदिशें और राग-रागिनियों की वृहद् जानकारी, सीनियर डागर ब्रदर्स (कलकत्ता वाले), जिया फरीदुद्दीन डागर और उनके बड़े भाई जिया मोहिउद्दीन डागर जिनसे ध्रुपद गायकी विधा समृद्ध हुयी है आदि का नामोल्लेख आवश्यक है। इन्द्रप्रख्यात गायकों की समृद्ध परम्पराओं को बचाए रखने के लिए आवश्यक है कि शिक्षा में शुरूआत से ही शास्त्रीय संगीत का समावेश हो और समाज में एक स्वस्थ संगीतांकित वातावरण मिले, ताकि हम सब एक सकारात्मक सोच और सुरों से लबालब जिंदगी के मालिक बनें।

(मोतीलाल नेहरू कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय, साउथ कैम्पस, मोबाइल नंबर - 99568 99939)

माइनर अवरुद्ध किए जाने से नाराज किसानों का प्रदर्शन

जनसंदेश न्यूज

चंदौली। गंगा नहर से निकली चंदौली फुटिया माइनर अवरुद्ध किए जाने से नाराज किसानों और नगर वासियों ने शनिवार को विरोध जताते हुए प्रदर्शन किया। इस दौरान पीडीडीयू नगर विधायक और भाजपा जिलाध्यक्ष को इस समस्या से अवगत कराया। साथ ही समस्या का आश्वासन दिया। इस प्रदर्शन के अगुआओं ने कहा कि चंदौली फुटिया माइनर मुख्य गंगा नहर से निकली हुई है। माइनर रायल ताल में जाकर मिली हुई है।



मठ प्रांगण में कंबल लेने पहुंचे ग्रामीण

चहनिया। अघोराचार्य बाबा कीनाराम अघोरेपीठ मठ रामशाला रामगढ़ के सौजन्य से रविवार को मठ प्रांगण में मुख्यातिथि मोहरगंज चैकी प्रभारी सुनील कुमार सिंह व जिला पंचायत बालिका इंटर कॉलेज की प्राचार्या रीता रानी द्वारा 151 जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किया गया। कम्बल वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए धनंजय सिंह, ने कहा कि अघोराचार्य बाबा सिद्धार्थ गौतम राम के आदेशानुसार मठ के द्वारा अनवरत कई वर्षों से जरूरतमंद लोगों की निःस्वार्थ भाव से सेवा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बीच बीच में मठ द्वारा चिकित्सकीय शिविर भी आयोजन किया जाता है। इस दौरान मठ प्रबंधक मेजर अशोक सिंह भुनारायण सिंह लल्ला रमेश सिंह,आभा यादव, अजीत यादव, पंकज पांडेय, कुलदीप बर्मा, शिवाजी सिंह, संतोष पटेल, दीपक कुमार, दिलीप यादव, पीपूष कुमार, अशोक कुशवाहा,मुकेश साहनी,दुर्गेश पांडेय,अमित पांडेय, मुलायम यादव आदि लोग उपस्थित रहे। संचालन सूर्यनाथ सिंह ने किया ।

मुड्डुआ में चोरों ने गहने नगदी पर फेरा हाथ

बबुरी । स्थानीय थाना क्षेत्र के मुड्डुआ उत्तरी गांव में शनिवार की देर रात छत के रास्ते आगन में उतर 2 कमरों का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने सोने चांदी के गहने और पाच लाख रुपए नगद पर हाथ साफ कर दिया। जानकारी के अनुसार मुड्डुआ गांव निवासी नंदू गुप्ता किसानी का काम करते हैं । उन के पाच बेटे दूसरे शहरों में रहकर प्राइवेट नौकरी करते हैं। मुड्डुआ गांव स्थित मकान में नंदू गुप्ता अपनी पत्नी सुखा देवी तथा बहु पिंकी व दुर्गा के साथ रहते हैं। शनिवार की रात किसी समय अज्ञात चोरों ने छत के रास्ते आगन में उतर कर 2 कमरों का ताला तोड़कर कमरे में रखी अलमारी को खोलकर उसमें से बहु के सोने के गहने जिसमें मांग टीका नथिया सोने की चेन अंगूठी तथा पायल और दूसरे कमरे में बेटे के विवाह के लिए बक्से में रखे ?500000 नगद लेकर फरार हो गए । सुबह होने पर कमरों का दरवाजा खुला देखकर नंदू गुप्ता ने परिवार के लोगों को जगया। चोरी की भनक लगते ही घर में कोहराम मच गया । देखते ही देखते घटनास्थल पर ग्रामीणों की भारी भीड़ इकट्ठा हो गई लोगों ने इसकी सूचना स्थानीय थाने को दी जिस पर पहुंची पुलिस मौका मुआयना कर जांच में जुट गई ।

नुकड़ नाटक के माध्यम से बच्चों को दी जानकारी

कमालपुर। कर्नोजिट विद्यालय रैपुरा पर शनिवार को निपुण भारत मिशन जन जागरूकता के लिए नुकड़ नाटक का आयोजन किया गया। जिसमें बेसिक शिक्षा विभाग की तरफ से नुकड़ नाटक के द्वारा उपस्थित गांव के लोगों व बच्चो को नि:शुल्क शिक्षा और विद्यालयों में संसाधनों सहित नि:शुल्क बैग ड्रेस जुता मोजा काफी के बारे में बताया और बच्चों को प्रतिदिन भेजने के लिए बताया गया। ग्राम वासियों में ग्राम प्रधान मनोज यादव दुलारे पाल मुंसे पहलवान सत्यनारायण साहब यादव कैलाश यादव जयप्रकाश यादव सत्येंद्र तिवारी रामसेवक सिंह दुलारे कर्नोजिया प्रभु बिंद रमेश बिंद मुसाफिर यादव रवि कांत पांडे रविंद्र शर्मा रंजीत कर्नोजिया डॉक्टर देवेन्द्र प्रताप सिंह उपस्थित रहे ।

महाराजा सुहेलदेव ने राजभर समाज का बढ़ाया गौरव

जनसंदेश न्यूज

सकलडीहा। कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर के आवास पर रविवार को राष्ट्रवीर महाराजा सुहेलदेव की जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान बुद्धिजीवी राजभर महासभा के लोगों ने नशा मुक्ति का संकल्प देहराते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किया। अंत में विचार गोष्ठी के माध्यम से समाज को शिक्षित और समाज का आवाहन किया। जयंती समारोह को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष अदालती राजभर ने कहा कि राष्ट्रवीर महाराजा सुहेलदेव राजभर समाज के गौरव और सम्मान है। हम सभी को अपने धर्मकुल के राजा के सम्मान में नशा मुक्ति का संकल्प लेना चाहिये। सश ही समाज को बेटीयों को शिक्षित और समाज की मुखधारा से जोड़ने पर बल दिया। इसके पूर्व गोपाल राजभर, प्रभात राजभर, केदार राजभर ने कहा कि राष्ट्रीय और अन्तर्राष्टीय स्तर पर

अवरुद्ध कर दिया गया है। उधर विरोध प्रकट कर रहे किसानों ने पीडीडीयू नगर विधायक रमेश जायसवाल और भाजपा जिलाध्यक्ष अभिमन्यु सिंह को मोबाइल के जरिए अवरुद्ध किए जा रहे माइनर के संबंध में जानकारी दी। इसपर गंभीरता दिखाते हुए विधायक और भाजपा जिलाध्यक्ष ने तत्काल डीएम ईशा दुहन से वार्ता किया। फिलहाल सदर एसडीएम ने मौके का जायजा लिया। साथ ही हाईवे प्राधिकरण के पीडी से बात कर समस्या के समाधान कराने का वादा किया। किसानों व नगरवासियों ने चेताया कि यदि दो दिन में समस्या का समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन करने को बाध्य होंगे। इस मौके पर अखिलेश सिंह,सिंटू सिंह देवीशरण जायसवाल, सतीश यादव, हरिश्चंद्र अग्रहार, राजकुमार मौर्य, महेंद्र मौर्य, अरवनी

शिक्षा के मंदिर में नहीं देखी जाती जात-पात: प्रदीप मौर्य

जनसंदेश न्यूज

इलिया। वनांचल क्षेत्र के ढौनपुर गांव स्थित भारत पब्लिक इंटर कॉलेज में वार्षिकोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के तैल चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर प्रारंभ हुआ। जहां विद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वंदना,नाटक, प्रहसन,डांस आदि प्रस्तुत कर अपनी कला का प्रदर्शन कर वाहवाही बेटोरी। इस अवसर भाजपा जिला उपाध्यक्ष डॉक्टर प्रदीप मौर्य ने कहा कि विद्यालय ही ऐसा स्थान है। जहां जाति पाती से ऊपर उठकर सभी बच्चे एक साथ पठन-पाठन करते हैं।

इस लिए विद्यालयों को शिक्षा का मंदिर कहते हैं। शिक्षा प्राप्त कर छात्र अपने गांव समाज व देश का नाम रोशन करता है। हम सभी का फर्ज है। कि बेटा हो बेटी सभी को एक समान शिक्षा देकर उनको अपने पैरों पर खड़ा होने का अवसर प्रदान करें। विशिष्ट



सकलडीहा। बलारपुर के दलित बस्ती में वर्षों से नाला का निर्माण नही हुआ है। रविवार को महिलाओं ने नाला निर्माण को लेकर धरना दिया। मौके पर पहुंचे प्रधान मनोज यादव और जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि रमेश राम ने नाला निर्माण पर महिलाओं ने धरना प्रदर्शन समाप्त किया। इस मौके पर काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। महिलाओं ने आरोप लगाया कि वर्षों पूर्व गांव में बनी मुख्यनाला पटा पड़ा हुआ है। इसके निर्माण नही होने से घरों के सामने गंदा नाला का पानी बहता है। इससे काफी परेशानी होती है। उपर से

नव युवक जन सेवा समिति ने बच्चों में बांटा कपड़ा

सैयदराजा। नगर के उत्तरी बाजार स्थित ठाकुरबाड़ी प्रांगण में नव युवक जन सेवा समिति के तत्वाधान में गरीब व असहाय लोगों के बीच समिति के अध्यक्ष अंकित जायसवाल के अध्यक्षता में रविवार को कपड़ा व कम्बल का वितरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सैयदराजा थाना अध्यक्ष शेषधर पांडेय ने भारत माता के तैल चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुरूआत किया।प्रबंधक सुशील शर्मा ने कहा कि समिति द्वारा किया गया कार्य बहुत ही सराहनीय है। इस तरह के कार्य नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में अलग संदेश जाता है। अध्यक्ष अंकित जायसवाल ने बताया समिति यह कार्य सात वर्ष से कर रही है। समिति का यह मुहिम है ठंड में कोई भी बिना कपड़े का न रहे। इस दौरान कोषाध्यक्ष महेश केशरी, संरक्षक अमित कुमार ,वरिष्ठ सदस्य राहुल जायसवाल अमित कुमार वामं, सूरज राय, परमानंद तिवारी, मनमोहन सिंह, भगवानदास कसौधन, गोदू, आदर्श केशरी, नीलम खखार, राजकुमार सोलंकी, गोविंद प्रजापति, उत्सव अग्रहरी, कृष्णा सोलंकी, आजाद अहमरी, नंदेम एसारी, सलमान खान, अप्सर खान इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

वन विभाग ने 50 हेक्टेयर जमीन से अतिक्रमण कराया मुक्त

कार्रवाई

वन विभाग की कार्रवाई से अतिक्रमणकारियों में हड़कंप

जनसंदेश न्यूज

चकिया। नवागत रेंजर की बड़ी कार्रवाई काशी वन्यजीव प्रभाग के चकिया रेंज के भभौरा बीट के मुसाखांड कंार्टमेंट नंबर 13-14 के केवालाखांड कोठी जंगल के पास वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई की भारी फोर्स बल के साथ 50 हेक्टेयर जमीन से जेसीबी की मदद से अतिक्रमण खाली करा दिया। आसपास के ग्रामीणों के द्वारा वर्षों से आरक्षित वन क्षेत्र की भूमि पर झोपड़ी लगाकर और खेती करके जमीन कब्जा की गई थी।

वन विभाग की कार्रवाई से अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मचा हुआ है। केवालाखांड कोठी के जंगल में स्थित अतिक्रमण वन क्षेत्र में में भभौरा, रामपुर, मुसाहिबपुर और गरला गांव के दर्जनों लोगों ने जंगल की भूमि पर कब्जा कर के वहां झोपड़ी लगाने के साथ ही दलहनी और



भारत पब्लिक इंटर कॉलेज में नृत्य प्रस्तुत करती छात्राएं

प्रधानाचार्य अरविन्द कुमार सिंह, रणजीत सिंह मौर्य, देवेन्द्र कुमार, संतोष कुमार,विनय कुमार, सरिता देवी, लालजी मौर्य, रजवत फौजी,राम अवध सिंह,रामभरोष यादव, वशिष्ठ मौर्य, रामचन्द्र त्यागी,राम अशीष मौर्य,रमेश मौर्य सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रमोद सिंह मौर्य ने किया।

नकाबपोश चोरों ने घर को बनाया निशाना

इलिया। थाना क्षेत्र के बरियारपुर गांव में नकाबपोश चोरों ने बीती रात ऋषिकेश सिंह के घर में घुसकर नगद सहित कीमती कपड़े चुरा ले गए। सुबह गांव के काली मंदिर के पास कपड़े से भरा अटैची पाया गया। मगर उसमें रखा 20 हजार नकदी गायब था। भुक्तभोगी ने घटना की लिखित तहसीर पुलिस को दी है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। भुक्तभोगी ऋषिकेश सिंह ने बताया कि रात के लगभग 12 बजे परिवार के सभी सदस्य अपने कमरे में अलग अलग सोए हुए थे। इसी बीच तीन-चार की संख्या में रहे नकाबपोश चोर छत के रास्ते आंगन से होते हुए कमरे में आ गए और परिवार के सभी सदस्यों के कमरे के दरवाजा को बाहर से बंद कर दिया। एक कमरा जिसमें उनकी मां सोई हुई थी उस कमरे में अटैची रखा हुआ था। जिसमें कीमती कपड़े और 20 हजार नगदी था। जिसे लेकर चोर चंपत हो गए। खटखटाहट की आवाज सुनकर उनकी मां का नींद खुला तो देखा कि कमरे से अटैची गायब थी। बाहर परिवार के अन्य सदस्यों को पुकार लगाई और कमरे के बंद दरवाजा को खोला तब जाकर ऋषिकेश सिंह और परिवार के सदस्यों के शोरगुल मचाने पर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। उसके बाद अटैची की काफी खोजबीन की गई मगर कहीं पता नहीं चला।

रैपुरा कम्पोजिट विद्यालय में मनाया गया वार्षिकोत्सव

जनसंदेश न्यूज

कमालपुर। विकासखंड के रैपुरा स्थित कर्माोजिट विद्यालय में शनिवार को वार्षिकोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी अवधेश राय ने सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। जिसमें बच्चों ने मनमोहक प्रस्तुति प्रस्तुत कर उपस्थित अभिभावकों को तालियां बजाने के लिए मजबूर कर दिया। इस दौरान विद्यालय की बालिकाओं ने सरस्वती वंदना इहरीक, स्मो क्रिकेट सहित कई टुकड़ा पर मनमोहक प्रस्तुति दी।

वहीं कर्नाटक नाटक मोबाइल का दुष्प्रभाव पर दर्शकों को बताया कि किन्नर प्रकार से छोटे बच्चे मोबाइल से प्रभावित होकर अपनी आंखों की रोशनी गंवा देते हैं। वहीं बच्चो ने पढ़ोगे लिखोगे बनोगे नवाब गीत पर शुभाशू अन्नू सोनाली रिमझिम हर्षिता खुराना अंशिका राधा अंकिता ने प्रस्तुतीकरण किया। निपुण लक्ष्य बाल वाटिका कक्षा एक दो तीन के बच्चों को ए आर पी प्रदीप कुमार यादव ने हिंदी की किताबो को पढ़वाया और सवाल भी दिए जिसे



अतिक्रमण मुक्त कराते अधिकारी

तिलहनी फसलों की खेती करते आ रहे हैं। चकिया रेंज का चार्ज लेने के बाद हरकत में आए वन क्षेत्राधिकारी योगेश कुमार सिंह ने चिन्हित जमीन से अतिक्रमण खाली कराने के लिए विभागीय पत्राचार करने के साथ ही जिला प्रशासन और शासन को पत्र अवगत कराया था। जिला प्रशासन से अनुमति मिलने के बाद रविवार को

भारी पुलिस बल रहा मौजूद

चकिया। जिला प्रशासन के निर्देश पर केवालाखांड कोठी के जंगल में अतिक्रमण हटाने के लिए नायब तहसीलदार राजेंद्र यादव, उप

प्रभागीय वन अधिकारी सत्यपाल प्रसाद, प्रभारी निरीक्षक जय सिंह, चकिया रेंजर योगेश कुमार सिंह, राजपथ रेंजर पीआर रावत, डिप्टी रेंजर आनंद दुबे, अखिलेश चैबे ,फिरोज गांधी , इसरार, रामचरित्र के अलावा एसआई हरेंद्र यादव गिरीश चंद्र राय, वीरेंद्र यादव सहित महिला पुलिस , तीन सेक्शन पीएससी, और दर्जनों पुलिस के जवान तैनात रहे।

चारों तरफ सुरक्षा खाई का निर्माण करा दिया। इसके अलावा पास ही के ठंडघटवा पहाड़ी और उसकी तलहटी में बनाई गई दो दर्जन से अधिक झोपड़ियों को जमींदोज कर दिया गया। 5 घंटे तक चले अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान चप्पे-चप्पे पर पुलिस और पीएसी बल के जवान तैनात रहे।

करंट की चपेट में आने से किसान की मौत



सिकंदरपुर में करंट के चपेट में आने से खेत में मृत पड़ा किसान

बबुरी । स्थानीय थाना क्षेत्र के सिकंदरपुर गांव में रविवार को खेत में लटक रहे विद्युत तार की चपेट में आकर किसान की दर्दनाक मौत हो गई। क्षेत्र के सिकंदरपुर गांव निवासी प्रभु बिहार 65 वर्षे खेत मे खाद फेंक रहा थे। उसी समय खंभे से लटक रहे बिजली की तार की चपेट में आ गये। जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। थोड़ी देर बाद आसपास खेतों में काम कर रहे लोगों को घटना

की जानकारी होने पर गांव में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दी जिस पर रोते बिलखते परिजन घटनास्थल पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने बबुरी पावर हाउस को सूचना देते हुए बिजली कटवाई तथा घटना की सूचना स्थानीय थाने पर दी । मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया।

भाजपा नेता सूर्यमुनि तिवारी व भाजपाइयों ने सुनी मन की बात



कार्यकर्ताओं संग मन की बात सुनते भाजपा नेता सूर्यमुनि तिवारी

बबुरी। बनौली चट्टी पर भाजपा नेता सूर्यमुनी तिवारी के साथ भाजपाईयों ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात का कार्यक्रम उरसाह व धैर्यपूर्वक सुना। मन की बात में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वयं सहायता समूह, उड़ीसा मिलेट्स शुभ, भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र, स्मो क्रिकेट सहित कई बिंदु पर चर्चा किया गया।

इस दौरान भाजपा नेता सूर्यमुनी तिवारी ने कहा कि इस कार्यक्रम में

आम जनमानस सहित भाजपा कार्यकर्ताओं ने बड़ चढ़ कर हिस्सा लिया है। देश की बढ़ती साख व सामर्थ्य को दशर्ती प्रस्तावित जी-20 का मेजबानी पर आम लोगों के जो अनुभव प्रधानमंत्री ने साझा किए वह साबित करता है।

समुक्ा देश मोदी के साथ खड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बताई जाने वाले प्रेरणादायक संस्परणों और आम लोगों के अनुभव को हमे अपनी दिनचर्या में उतारना चाहिए। दक्षिण के

सुदूरवर्ती गांव से लेकर देश के चारों कोनों से आम लोगों का जी-20 बैठक की मेजबानी पर चर्चा को साझा करना। स्वयं सहायता समूह गांव तक काम कर रहा है। इस रमेश मौर्या , बालकृष्ण तिवारी, सुबास चंद्र, निरंजन विश्वकर्मा, राजू, धर्मेन्द्र कुमार, संजय कुमार गुप्ता, जगदीश पासवान, शिवरतन विश्वकर्मा, सितार्ई, शशांक शेखर सिंह, शिवशरण विश्वकर्मा, रामसखी सहित इत्यादि लोग उपस्थित रहे।



स्पोर्ट्स



भारत दौरे में आक्रामक रणनीति अपनाएगी ऑस्ट्रेलियाई टीम : हेड

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के बल्लेबाज ट्रेविंस हेड ने कहा है कि उनकी टीम भारत के खिलाफ अगले माह होने वाली चार टेस्ट मैचों की सीरीज में आक्रामक रुख अपनाएगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अगले माह नौ फरवरी से बॉर्डर-गावस्कर सीरीज खेली जाएगी। हेड ने कहा हॉइलैंड ने पिछले दिनों पाकिस्तान में जिस तरह से आक्रामक होकर बल्लेबाजी की उसे देखने के बाद मुझे लगा कि उपमहाद्वीप में खेली गई पिछली सीरीज में मैंने उतना आक्रामक होकर बल्लेबाजी नहीं की जितनी मैं चाहता था। उन्होंने कहा ह्वैम इन श्रृंखलाओं में स्पिन के खिलाफ जिस तरह से खेला उससे मेरा मानना है कि भारत में अधिक आक्राम होकर खेलूंगा तो मेरा फुटवर्क अच्छा रहेगा और मेरा रक्षात्मक खेल भी बेहतर होगा। यह नीति ऑस्ट्रेलिया में खेलने से पूरी तरह अलग होगी।

जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीतकर नडाल की बराबरी की

मेलबर्न। सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन का पुरुष एकल खिताब जीत लिया है। जोकोविच ने फाइनल में यूनान के स्टेफानोस सित्सिपास को अपना 22वां ग्रैंड स्लेम खिताब जीता है। तीन घंटे से ज्यादा समय तक चले पुरुष एकल मुकाबले में जोकोविच ने हैमस्ट्रिंग की चोट के बाद भी सिट्सिपास को 6-3 7-6 (4) 7-6 (5) से हराकर दसवीं बार यह खिताब जीता है। वहीं विश्व रैंकिंग पर पहुंचने के लिए यूनानी खिलाड़ी सिट्सिपास ने पहला सेट हारने के बाद बेहतर प्रदर्शन किया पर वह अहम अवसर पर जोकोविच की बराबरी नहीं कर पाये। ऑपन सेट के निर्णायक गेम में जोकोविच के 6-3 पर तीन चैम्पियनशिप अंक हासिल करने के बाद सिट्सिपास ने दो अंक अपने पक्ष में किए पर उनका आखिरी शॉट कोर्ट से बाहर गिरे से जोकोविच को खिताब मिल गया। इस प्रकार जोकोविच ने सबसे ज्यादा ग्रैंड स्लेम जीतने के मामले में स्पेन के राफेल नडाल की बराबरी की है। जोकोविच के भी अब नडाल के बराबर 22 खिताब हो गये हैं।

जांच व चिकित्सकों की कमी से जूझ रहा जिला अस्पताल

यह है हाल

वर्षों से धूल फांक रही हैं जिला अस्पताल में कई मशीनें

चंदौली। मुख्यालय स्थित पंडित कमलापति त्रिपाठी संयुक्त जिला चिकित्सालय में समस्याएं दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। जहां मरीजों की संख्या में इजाफा हो रहा है। वहीं स्वास्थ्य प्रशासन की ओर से सुविधाओं की व्यवस्थाओं में कमी हो रही है। अगर हम जिला अस्पताल के चिकित्सकों व जांच की बात करें तो ,जहां चिकित्सकों की कमी है। वहीं वर्षों से बड़ी मशीनें धूल फांक रही हैं। जिसके कारण मरीजों व उनके तीमारदारों को गैर जनपदों जाकर आर्थिक क्षति उठानी पड़ रही है। मुख्यालय स्थित पंडित कमलापति त्रिपाठी संयुक्त जिला चिकित्सालय जनपद ही नहीं गैर जनपद के साथ-



जिला अस्पताल में धूल फांक रही थायराइड की मशीन

साथ गैर प्रांत के मरीजों को भी सहारा है लेकिन जिला अस्पताल में वरिष्ठ चिकित्सकों के साथ-साथ न्यूरोलॉजी व यूरिन सहित कई प्रमुख चिकित्सक का अभाव है। जहां पर प्रतिदिन लगभग 1000 से अधिक मरीज ओपीडी में इलाज कराने के लिए आते हैं वहीं सड़क किनारे हॉस्पिटल होने के कारण

दुर्घटनाग्रस्त मरीजों के लिए यह जीवनदायिनी है। लेकिन गंभीर मरीजों को कुशल चिकित्सकों के ना होने के कारण वाराणसी रेफर करना पड़ता है। जिसके चलते मरीजों के साथ-साथ उनके तीमारदारों को भी भारी परेशानी होती है। वहीं जांच की बात करें तो जिला अस्पताल में साधारण जांच हो

जाती है, लेकिन थायराइड सहित अन्य प्रमुख नहीं होने से मरीजों और तीमारदार आए दिन परेशान होते हैं। जबकि थायराइड की मशीन जिला अस्पताल में रखी गई है जो वह धूल फांक रही है।

जिला अस्पताल में नहीं हैं न्यूरोलॉजी व हृदय रोग के चिकित्सक

चंदौली। मुख्यालय स्थित जिला अस्पताल में ही चिकित्सकों की कमी है। अस्पताल में वर्तमान में 42 डॉक्टरों के सापेक्ष 34 डॉक्टर ही नियुक्त हैं। अस्पताल में आठ चिकित्सकों की कमी है। वहीं जिला अस्पताल होने के बावजूद एक सर्जन व हृदय रोग विशेषज्ञ का पद खाली चल रहा है। अस्पताल में न्यूरोलॉजी व न्यूरोलॉजी के चिकित्सक के पद खाली हैं। पूरे जिले की बात करें तो कहीं भी न्यूरोलॉजी का विशेषज्ञ डॉक्टर नहीं है। इससे मरीजों को निजी अस्पतालों में महंगा इलाज कराना पड़ रहा है। इस बाबत सीएमएस उर्मिला सिंह ने बताया कि मुख्यालय से पंडित कमलापति त्रिपाठी संयुक्त जिला चिकित्सालय में चिकित्सकों और कर्मचारियों की कमी से शासन को अवगत करा दिया गया है।

भारत ने न्यूजीलैंड को 6 विकेट से हराया

लखनऊ। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन टी20 मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेला गया। भारतीय टीम पहला टी20 मैच 21 रन से हार गई थी, लेकिन दूसरा मैच छह विकेट से जीतकर सीरीज को 1-1 से बराबर कर दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में आठ विकेट गंवाकर 99 रन बनाए। 100 रन के लक्ष्य को भारत ने एक गेंद रहते हासिल किया।



अंडर-19 महिला क्रिकेट: इंग्लैंड को 7 विकेट से हरा भारत ने रचा इतिहास महिला क्रिकेट में पहली बार जीती आईसीसी ट्रॉफी

पॉचेप्सटूम। शेफाली वर्मा की अगुआई में भारत की अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम ने 29 जनवरी 2023 को इतिहास रच दिया। भारत ने इंग्लैंड को 7 विकेट से हराकर महिला अंडर-19 टी20 विश्व कप का खिताब जीत लिया। भारत ने महिला क्रिकेट में पहली बार आईसीसी की ट्रॉफी जीती है। इससे पहले सीनियर टीम सभी फॉर्मेट्स में तीन मौकों पर विश्व कप फाइनल में पहुंची लेकिन हर बार खिताब से दूर रह गई थी। दक्षिण अफ्रीका के पॉचेप्सटूम में खेले गए भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। भारतीय

टी-20 सौम्या तिवारी ने लिया विजयी रन

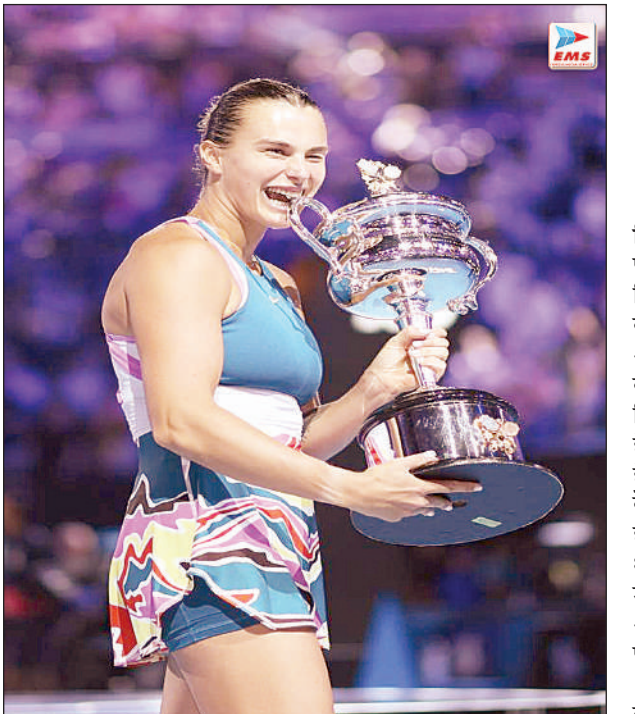
बॉलर्स ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने इंग्लैंड की टीम को 17.1 ओवर में महज 68 रन पर ढेर कर दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने 14 ओवर में 3 विकेट पर 69 रन बनाकर मैच और खिताब अपने नाम किया। भारत की ओर से सौम्या तिवारी (नाबाद) और गोंगदी तुषा ने 24-24 रन बनाए। शेफाली वर्मा 15 रन बनाकर आउट हुईं।

इंग्लैंड की ओर से हना बेकर, कप्तान ग्रेस और एलेक्सा स्टोनहाउस ने एक-एक विकेट लिए। भारत की ओर से तितास साधु, अर्चना देवी और पार्श्वी चोपड़ा ने क्रमशः 6, 17 और 13 रन देकर 2-2 विकेट लिए। कप्तान शेफाली वर्मा, मन्नत कश्यप और सोनम यादव ने भी एक-एक बैटर को पवेलियन भेजा। अर्चना देवी ने एक कैच भी लपका। सौम्या तिवारी ने 14वें ओवर की आखिरी गेंद पर एक रन लेकर भारत को महिला अंडर-19 टी20 विश्व कप का पहला चैंपियन बना दिया। भारत ने इंग्लैंड को सात विकेट से हराया और

भारत दौरे में ग्रीन फिट नहीं हुए हैंड्सकोंब को उतारेगी ऑस्ट्रेलिया : मैकडोनल्ड

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम में पीटर हैंड्सकोंब को कैमरन ग्रीन के विकल्प के तौर पर शामिल किये जाने की संभावनाएं हैं। टीम के मुख्य कोच और चयनकर्ता एंड्रयू मैकडोनल्ड ने कहा है कि अगले माह भारतीय टीम के हैंड्सकोंब को शामिल किया जा सकता है। साथ ही कहा कि ग्रीन अगर सीरीज के लिए समय पर फिट नहीं होते हैं तो हैंड्सकोंब को स्पिन खेलने की क्षमताओं को देखते हुए पथ्यक्रम में उन्हें मैदान पर उतारा जा सकता है। ग्रीन अभी तक डंगली में फ्रेंकर से उबर नहीं पाये हैं। मैकडोनल्ड ने कहा ह्रवह वास्तव में काफी अहम खिलाड़ी है। पिछले कुछ समय में यह साबित हुआ है कि वह स्पिन को बेहतर ढंग से खेलता है। हैंड्सकोंब और ग्रीन अभी चार टेस्ट

मैचों की सीरीज से पहले नॉर्थ सिडनी में बोन एंड्रयूज ओवल में स्पिन खेलने के लिए बनाई गई पिच पर ही बल्लेबाजी का अभ्यास कर रहे हैं जिससे भारतीय हालातों से बेहतर तालमेल बिठा सकें। इस सीरीज से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए क्वालीफिकेशन भी तय होगा। हैंड्सकोंब साल 2017 में भारत के पिछले दौरे पर भी टीम के साथ बने हुए थे साथ ही वह टीम में विकेटकीपर का एक अतिरिक्त विकल्प भी उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने कहा ह्रवह धीमी पिचों पर शील्ड क्रिकेट में काफी रन जुटा चुका है। वह विकेटकीपिंग भी कर लेता है इसलिए इससे हमें जोश इंग्लिस के नहीं होने पर हर विकल्प मिलता है और अगर एलेक्स कैरी को कुछ भी होता है तो भी हमारे पास विकल्प रहेगा।



मेलबर्न में आर्यना सबलेका महिलाओं का एकल टेनिस खिताब जीतने के बाद उत्साहित होती हुई।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज तक फिट हो सकते हैं बुमराह

मुंबई। टीम इंडिया के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के अगले माह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलने की संभावनाएं बढ़ गयी हैं। बुमराह अभी चोट से उबर रहे हैं और माना जा रहा है कि वह एकदिवसीय सीरीज शुरू होने से पहले पूरी तरह से ठीक हो जाएंगे। बुमराह को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज के शुरूआती दो मैचों में भी शामिल नहीं किया गया है पर माना जा रहा है कि वह आखिरी के दो मैच भी नहीं खेल पायेंगे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 17 मार्च से तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज खेली जाएगी। बुमराह इसी सीरीज से टीम में वापसी कर सकते हैं। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा जहां तक बुमराह की बात है तो उन्हें ठीक होने में करीब एक महीना और लगेगा। हमें उम्मीद है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से पहले वह पूरी तरह से फिट हो जाएंगे पर यह उसकी प्रगति पर निर्भर करेगा। अभी वह फिट नहीं है। गौरतलब है कि बुमराह को जुलाई 2022 में इंग्लैंड दौरे के बाद कमर के स्ट्रेस फ्रैक्चर का सामना करना पड़ा था। इस चोट के चलते ही वह पिछले साल एशिया कप और टी20 विश्व कप से भी बाहर थे।

कुलदीप ने बहन की शादी पर शेरार की तस्वीर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्पिनर कुलदीप यादव की बहन की शादी हुई है। इसी को लेकर कुलदीप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भेजकर बहन को शुभकामनाएं दी हैं। कुलदीप ने इस पोस्ट में एक तस्वीर साझा कर लिखा जैसा कि मैं यहां अपनी बहन के साथ उसकी शादी के दिन साथ में हूं मेरा दिल बहुत सारी भावनाओं से भर गया हूं। आपको जाते हुए देखने की खुशी प्यार और थोड़ा सा दुख है पर मैं आपके लिए इससे ज्यादा खुश नहीं हो सकता क्योंकि आप अपने जीवन के इस नए अध्याय को शुरू करने जा रही हो।

नि: शुल्क नेत्र शिविर में 210 मरीजो का हुआ पंजीकरण

इलिया। स्थानीय बुजराजी भारत गैस एजेंसी पर नि:शुल्क नेत्र शिविर महा कैप का आयोजन रविवार को किया गया। जिसमें कुल 210 मरीजों का पंजीकरण किया गया। महा कैप का शुभारंभ विधायक कैलाश खरवार, भाजपा जिलाध्यक्ष अभिमन्यु सिंह, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष छत्रबली सिंह तथा सरिता सिंह ने संयुक्त रूप से कीता काटकर किया। इस दौरान वाराणसी के विशेषज्ञ चिकित्सक डॉक्टर आरके सिंह, डॉ राकेश त्रिपाठी, डॉ अभिराम चैबे, डॉ राहुल सिंह, डॉक्टर विभा चैरसिया, डां सूरज चहान, डां श्री राम चौबे द्वारा मरीजों के आंखों की जांच की गई तथा 175 मरीजों को चश्मा वितरित किया गया। वहीं मोतियाबिंद की शिकायत पाए गए 35 मरीजों का ऑपरेशन किए जाने की सलाह दी गई। मोतियाबिंद के चिन्हित मरीजों का नि:शुल्क ऑपरेशन सोमवार को वाराणसी के प्रभावती नेत्रालय में किया जाएगा। मरीजों को नि:शुल्क बस द्वारा आने जाने की व्यवस्था भी दी गई है। शिविर को संबोधित करते हुए विधायक कैलाश खरवार ने कहा कि गरीब मरीजों की सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य का काम है। ऐसे आयोजनों में लोगों को बढ़-चढ़कर भागीदारी निभानी चाहिए। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष दीनानाथ शर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष अभिमन्यु सिंह, इयाम जी सिंह, प्रधान प्रतिनिधि आनंद सिंह साहब, राकेश सिंह हरिश्चंकर सिंह निक्कू, लव केशरी, राजेश सिंह, उपेंद्र पांडेय, मनोहर केशरी, एहसान अली सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।



बालिकाओं के शिक्षित और सबल होने पर सर्व समाज होगा खुशहाल

सकलडीहा। समग्र शिक्षा व निपुण भारत मिशन के अन्तर्गत विद्यालयों को निपुण बनाने कवायद भारत सरकार द्वारा किया जा रहा है। इस क्रम में रविवार को लखनऊ से पहुंची टीम ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से शिक्षा के लिये प्रेरित किया। इस दौरान विभिन्न विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक सहित सैकड़ों की संख्या में बच्चे और ग्राम प्रधान मंजु वामा मौजूद रहे। जन जागरूकता कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए लखनऊ निपुण भारत टीम प्रभारी आशा तिवारी ने कहा कि बालिकाओं के शिक्षित व सशक्तिकरण से सर्व समाज का विकास होगा। इसके उपरांत सोशल प्रोजेक्ट फॉर् इक्विटी के अन्तर्गत निपुण भारत मिशन, बालिका शिक्षा एवं सशक्तिकरण, लिंग भेद, डी0बी0टी0, विभागीय सुविधा आदि के संबंध में जानकारी दी गयी। इसके पूर्व नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विभिन्न मुद्दों पर कलाकारों ने अभिनय एवं गीत के माध्यम से व्यापक संदेश दिया। वहीं प्रधानाध्यापक हिमांशु पाण्डेय ने निपुण लक्ष्य के प्रति अभिभावकों को जागरूक करते हुए शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने का संकल्प दोहराया व अभिभावकों से सहयोग की अपील की। अंत में ग्राम प्रधान मंजु वामा ने बच्चों को बेहतर नागरिक बनाने के लिए शिक्षा दिलाने की बात कही। डीबीटी के माध्यम से प्राप्त धनराशि का सही और समुचित उपयोग करने का आवाहन किया। इस मौके पर प्रधानाध्यापक चन्द्रधर दीक्षित,सहायक अध्यापक अभिषेक पाण्डेय, राजमणि देवी, नेहा मिश्रा, अर्चना जायसवाल, प्रतिभा गुप्ता, अर्चना पाण्डेय, रेखा देवी,नुक्कड़ नाटक टीम लीडर विनीता तिवारी हिंदुस्तानी, छोट्टू, विशाल आदि मौजूद रहे।

ठंडी व गर्मी के कारण मरीजों को सावधानी बरतने की जरूरत: डॉ अजय वर्मा

चंदौली। मौसम में अचानक बदलाव से लोगों को ठंड में थोड़ी राहत मिली है, लेकिन इसका असर लोगों को सेहत पर भारी पड़ता जा रहा है। मुख्यालय से पंडित कमला पति त्रिपाठी संयुक्त जिला चिकित्सालय की बात करें तो मौसम ठीक होने के बाद मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है। बदलते मौसम को देखते हुए चिकित्सकों की माने तो ऐसे मौसम में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति विशेष ध्यान देने की जरूरत है। मौसम में अचानक आए बदलाव के कारण ठंड से लोगों को थोड़ी राहत मिली। इसकी चलते सभी जुखाम बुखार खांसी सही तमाम तरह की परेशानियां लोगों को बढ़ी हैं। दिन में गरम और शाम होते ही ठंड लोगों की सेहत को राख नहीं आ ही है। इसके चलते मुख्यालय स्थित पंडित कमला पति त्रिपाठी संयुक्त जिला चिकित्सालय व निजी अस्पतालों में मरीजों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ। जहां पंडित ठंड के मौसम में ओपीडी 900 के पार थी। वह ठंड के मौसम में घटकर 600 हो गई थी लेकिन अब इसमें धीरे-धीरे इजाफा होने लगा। ओपीडी में दिखाने वालों की संख्या 800 के पार हो गई है। इसके चलते ओपीडी कक्ष के साथ-साथ दवा कार्टर जांच कार्टर पर मरीजों की भीड़ देखने को मिल रही है। इसमें ज्यादातर सर्दी, जुकाम, बुखार, खांसी की मरीज पाए जा रहे हैं। ऐसे में चिकित्सकों की मानें तो सावधानी बरतने की जरूरत है। मुख्यालय पंडित कमलापति त्रिपाठी संयुक्त जिला चिकित्सालय के फिजिशियंस डॉ अजय वर्मा ने बताया कि दिन में धूप और शाम को ठंड के कारण लोग सावधानी नहीं बरात रहे हैं। गुनगुना पानी पीएं और शाम को गर्म कपड़े अवश्य पहने और किसी भी प्रकार की परेशानी हो तो तत्काल पास के सरकारी अस्पताल में पहुंचकर इलाज करा।

आजादी के आंदोलन का दस्तावेज है डॉ. भगवान दास पुस्तकालय

पुस्तकालय में दिव्यांगों के लिए बनेगा लैब

राघवेंद्र केशरी

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ परिसर में स्थित डॉ. भगवानदास केंद्रीय पुस्तकालय भवन में जल्द ही दिव्यांगों के अध्ययन अध्यापन के लिए एक लैब का निर्माण होगा। इसके लिए कवायद शुरू हो गई है। इसके साथ ही ई-लाइब्रेरी के साथ पूरे पुस्तकालय परिसर को 100 फीसदी ऑटोमेशन किया जाना है। जिससे आने वाले दिनों में पेपर लेस पंजीकरण प्रक्रिया के साथ विद्यार्थियों और अध्यापकों सहित कर्मचारियों को पुस्तकें मुहैया कराई जा सकेंगी।

उक्त बातें पुस्तकालयाध्यक्ष शिवराम वर्मा ने जनसंदेश को एक खास मुलाकात के दौरान बताई। उन्होंने बताया कि पुस्तकालय में सामान्य छात्रों के साथ दिव्यांगों के लिए भी सेवा उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही डॉ. भगवानदास की जीवनी और उनके आदर्शों को प्रेरणा के रूप में लोगों तक पहुंचाने के लिए एक गैलरी

एक पृथक बुक बैंक की होगी स्थापना

रुसा योजना के अंतर्गत डॉ. भगवानदास पुस्तकालय केंद्र में एक पृथक बुक बैंक की स्थापना होगी। इसके लिए कुलपति ने भी स्थान दे दिया है। जिसके जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से इसकी तैयारियां पूरी की जा रही हैं।



का भी निर्माण कराया जाएगा। जिससे आने वाले दिनों में लोग डॉ. भगवान दास के योगदान और उनकी शिक्षा के साथ उनके ज्ञान व जीवनशैली का अध्ययन कर सकेंगे। पुस्तकालय भवन के परिसर में भगवान दास की प्रतिमा भी बनाई गई है। जिसका लोकार्पण भी जल्द कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि छात्रों की शिक्षा और व्यापक करना हमारा लक्ष्य है। ऑनलाइन और ई-लाइब्रेरी की व्यवस्था इसीलिए की गई है। वर्तमान में लगभग 4000 ई-बुक उपलब्ध हैं। जिसका छात्र लाभ उठा रहे हैं। इसके अलावा पुस्तकालय में 50 कंप्यूटर से लैस लैब की भी व्यवस्था, एक स्वयं प्रभा कक्ष जिसमें ऑनलाइन टेलिकॉन्फ्रेंसिंग सेवा की व्यवस्था है। काशी विद्यापीठ परिसर में मौजूद इस पुस्तकालय से विश्वविद्यालय के वर्तमान में 10 से 12

12 हजार पांडुलिपियों का संग्रह मौजूद

काशी विद्यापीठ के डॉ. भगवानदास केंद्रीय पुस्तकालय भवन में वर्तमान में तमाम विषयों की लगभग 30 लाख से भी ज्यादा पुस्तकों के साथ 12 हजार पांडुलिपियां भी मौजूद हैं। जिन्हें विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से सहेज कर रखा गया है।

आजादी से पूर्व के समाचार पत्रों का संग्रह

काशी विद्यापीठ की धरती पूर्व से ही क्रांतिकारियों की धरती कही जाती रही है। विश्वविद्यालय के डॉ. भगवानदास केंद्रीय पुस्तकालय भवन में आजादी के पूर्व के समाचार पत्रों का संग्रह आज भी मौजूद है। जिसमें 1912 से 1939 तक के समाचार पत्र सहेज कर रखे गए हैं।

पुस्तक वितरण की संख्या तय

डॉ. भगवानदास केंद्रीय पुस्तकालय से अध्यापकों, कर्मचारियों और छात्रों को पुस्तक वितरण करने के लिए संख्या निर्धारित की गई है। इनमें सभी पाठ्यक्रमों के छात्रों के लिए एक बार में तीन पुस्तकें वितरित करने और अध्यापकों को एक बार में 10 पुस्तकें वितरित करने की व्यवस्था की गई है।



पुस्तकालयाध्यक्ष शिवराम वर्मा

स्वाध्याय पीठ में पुस्तकों का अध्ययन करते थे क्रांतिकारी

आजादी से पूर्व 1921 में जब विश्वविद्यालय की स्थापना हुई थी तभी से पुस्तकालय अस्तित्व में है। पहले इसे पहले इसे डॉ. भगवानदास स्वाध्याय पीठ के नाम से जाना जाता था। जिसमें देश की आजादी में लगे क्रांतिकारियों और नेताओं द्वारा पुस्तकों का अध्ययन किया जाता रहा। आजादी मिलने के बाद इसका नाम परिवर्तित कर डॉ. भगवानदास केंद्रीय पुस्तकालय रख दिया गया।

सभी के लिए कक्षाओं की संख्या निर्धारित

पुस्तकालय भवन में बैठकर अध्ययन और अध्यापन करने वाले छात्रों, अध्यापकों व कर्मचारियों के लिए कक्षा निर्धारित किए गए हैं। जिनमें अध्यापकों के लिए दो कक्षा और छात्रों के लिए कुल तीन कक्षा निर्धारित हैं। कुल मिलाकर भवन में कुल पांच कक्षा निर्धारित किए गए हैं।

महंगाई के अनुसार तय हो भत्ता, आयकर में मिले छूट

जनसंदेश न्यूज

बोले राज्य कर्मचारी

आगामी आम बजट को लेकर प्रदेश सरकार के कर्मचारियों ने लगायी हैं तमाम उम्मीदें

कहा : डेढ़ साल से फ्रीज डीए का भुगतान हो, टीए मिले, लागू की जाय पुरानी पेंशन



सुधीर



आनंद



संजय श्रीवास्तव



अभिषेक



प्रणव



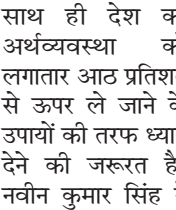
पंकज



नवीन



राजेश्वर



साथ ही देश की अर्थव्यवस्था को लगातार आठ प्रतिशत से ऊपर ले जाने के उपायों की तरफ ध्यान देने की जरूरत है। नवीन कुमार सिंह ने कहा कि आयकर प्रणाली को सुसंगत

आयकर में छूट मिलना चाहिए। प्रणव भट्टाचार्य ने कहा कि वर्तमान की महंगाई को देखते हुए उसी के अनुसार सरकार महंगाई भत्ता तय करे। इसके अतिरिक्त जिस प्रकार केंद्रीय कर्मचारियों को किराया भत्ता दिया जाता है उसकी तरह राज्य कर्मचारियों को 15 फीसदी की दर से टीए निर्धारित किया जाय। पंकज श्रीवास्तव के अनुसार महंगाई पर अंकुश लगाने के

बनाना चाहिए, जिससे कर्मचारी लाभान्वित हों। शिक्षा का बजट बढ़ाने और पुरानी पेंशन व्यवस्था पुनः लागू करने पर ध्यान दिया जाय। सेवानिवृत्त राज्य कर्मचारी राजेश्वर पांडेय ने पेंशन को आयकर से मुक्त करने समेत वरिष्ठ नागरिकों के इनकम टैक्स में पांच लाख का स्लैब तय करने और रेल भाड़े में पहले की ही तरह छूट देने की मांग की।

वायदा पूरा किया नहीं सुविधाएं भी लीं छीन

वाराणसी। एक फरवरी को 2023 को आम बजट पेश होने वाला है, इसी बजट में रेल बजट भी सरकार की ओर से पेश कर दिया जायेगा। हर वर्ष की तरह इस वर्ष के बजट से कुलियों को काफी उम्मीदें हैं, लेकिन अगर इस वर्ष भी इस बजट में उनके लिए कुछ नहीं मिला तो उनके हाथ एक बार फिर निराशा हाथ लेगी।

अपनी आजीविका का साधन मानते हुए लोगों का बोझ अपने कंधों पर उठाने के साथ अपने परिवार की ओर से पेश कर दिया जा रहा है। 41 साल से इस कार्य में लगे हैं लेकिन सुविधा के नाम पर कुछ नहीं हैं बताते हैं कि वर्ष 2014 के बाद सरकार ने कुलियों की सुविध के लिए जो वायदा किया था उसे पूरा नहीं किये और

अरविनी कुमार श्रीवास्तव

हैं कि पहले एक साल तक पास मिलता था लेकिन अब सिर्फ छह माह के लिए पास दिया जा रहा है। वह भी सिर्फ पति पत्नी को, अब आप ही बतायी साहब बच्चों को किस्के घर छोड़ उस पास पर तभी यात्रा करने जायेंगे। यादव बताते हैं कि उनको भी



केदार यादव (अध्यक्ष, कुली संघ) | जितेंद्र यादव | लाल बाबू | अनवर खां | इंद्रजीत यादव

रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों में यात्रियों के लगेज के उतार चढ़ाव के कुलियों की आवश्यकता होना स्वाभाविक है, अगर एक दिन भी कुली हड़ताल कर दें तो यात्रियों को लगेज के साथ ट्रेनों तक पहुंचने व ट्रेनों से बाहर तक आने में जिस समस्या का सामना करना

सुविधाएं भी छीन लीं। 14 साल से इस कार्य में लगे जितेंद्र यादव भी बताते हैं कि इस कार्य के बाद अब कोई अन्य कार्य कर नहीं सकते क्योंकि किसी भी व्यापार को शुरू करने के लिए पूंजी की जरूरत होगी जो है नहीं, बताते हैं कि अब तो अपना ही पेट पालना मुश्किल हो गया है परिवार की

इस कार्य में लगे 15 साल हो रहे हैं लेकिन आज तक सुविधा नहीं मिली, रहने को एक भी विश्रामालय नहीं है।

इस बजट से उम्मीद

कुली को रेलवे कर्मचारी का दर्जा मिले, आयुष्यमान कार्ड बने, हेल्थ कार्ड पूर्व की तरह मिले, एक साल का रेल पास मिले बच्चों को भी इसमें शामिल किया जाए, हर वर्ष वर्दी मिले, माल ढुलाई के भत्ते में बढ़ोतरी हो, प्रमोशन देकर ग्रुप डी में नौकरी, पेंशन की सुविधा, आवास की व्यवस्था मिले, इसके अलावा बच्चों को केंद्रीय विद्यालय में शिक्षा की सुविधा, मृत्यु के बाद उनके आश्रितों को रेलवे में नौकरी मिले।

अब तो पेट पालना भी मुश्किल

कुली संघ के अध्यक्ष केदार यादव बताते हैं कि पूर्व में कुल 350 कुली कैंट स्टेशन पर थे लेकिन सुविधाओं के अभाव व महंगाई के चलते अब सिर्फ 185 कुली ही बचे हैं और वह भी उम्र के इस पड़ाव पर हैं कि कोई दूसरा कार्य कर नहीं सकते पिता की ओर से विरासत में मिले इस बैच की इज्जत बचाएं हैं। बताते हैं कि अब लोग ज्यादातर टूली वाले बैग लेकर सफर करते हैं, इससे उन्हें अगर बहुत ज्यादा सामान न हो तो कुली करने को जरूरत नहीं पड़ती, इलेक्ट्रिक सीढ़ियां लगाने से पैसेंजर को तो सुविधा हो गई, पर कुली का काम कम हो गया। इससे हमारी कमाई पर असर पड़ा है।

सुरेश प्रभु ने अपने रेल बजट में कहा था...

कुल संघ के अध्यक्ष केदार यादव कहते हैं कि रेल बजट में रेल मंत्री सुरेश प्रभु ने हमारे लिए कुछ बदलाव किए थे, कहा था कि अब कुली को कुली नहीं सहायक बुलाया जाएगा, वर्दी का रंग बदला जाएगा, सामान ढोने के लिए ट्रॉली दी जाएगी, लेकिन इनमें से कोई भी सुविधा नहीं मिली।

हर बजट से नाउम्मीदी

कुलियों ने कहा, रेल बजट को सामान्य में ही जोड़ लिया अब कैसी उम्मीद

हर बजट से उम्मीद बंधी होती है लेकिन हर बार निराशा हाथ लगती है

पास में कटौती वर्दी नहीं मिली हेल्थ कार्ड बंद आयुष्यमान कार्ड नहीं बना, विश्रामालय नहीं बना जाएं तो जाएं कहां



पड़ेगा वह वर्दी यात्रा बता पायेगा। बाबजूद इसके कुलियों को स्टेशनों पर कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कुलियों को रेलवे स्टेशन पर विश्रामगृह की कमी और उचित देखभाल न होने जैसी दिक्कतें आती हैं, साल भर का पारिवारिक रेलवे पास न होना, किसी तरह की बीमा योजना का न होना, किसी दुर्घटना या मृत्यु के बाद रेलवे की तरफ से कुली के परिवार को कोई मदद न मिलना जैसी परेशानियां भी उन्हें झेलनी पड़ती हैं। कैंट रेलवे स्टेशन पर कुली संघ के अध्यक्ष केदार नाथ यादव बताते हैं कि वह देवरिया के रहने वाले हैं और 1982 से इस कार्य में लगे हैं, पिता के बैच को ही

बात छोड़िये साहब, हेल्थ कार्ड 2014 से पूर्व बनाया गया था जिसे 2014 के बाद बंद कर दिया गया तबीयत खराब होने की स्थिति में जो बचाया है उसी में से इलाज कराना हो रहा है। लगभग 15 साल से इस कार्य में लगे लाल बाबू बताते हैं कि पिता जी से मिले बैच पर कार्य कर रहे हैं, लेकिन अब तो अपना भी खर्चा चलाना मुश्किल होता जा रहा है। बताया कि आयुष्यमान कार्ड के लिए सरकार ने वायदा किया था लेकिन आज तक पूरा नहीं हुआ। अनवर खां बताते हैं कि कुली का उनका भी कार्य पुरतैनी है, पिता जी के बैच पर कार्य कर रहे हैं। 2014 के बाद से ना तो वर्दी मिली ना ही कोई और सुविधा, बताते

समस्त जनपदवासियों को

26 गणतंत्र दिवस JANUARY

शिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं

रिशु कम्प्यूटर्स

आई0 टी0 आई0 चौराहा, पीरनगर, गाजीपुर

ऑनलाइन डाटा इन्ट्री एवं डिजिटल हस्ताक्षर बनवाने हेतु सम्पर्क करें

प्रो0-शशिकला यादव

संरक्षक-रमेश यादव, मो0-9721260800, 8423526900

गणतंत्र दिवस व शिवरात्रि के पावन अवसर पर जनपद वासियों को

हार्दिक शुभकामनाएं

उदयभान

उप शिक्षा निदेशक/प्राचार्य

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान

सैदपुर, गाजीपुर